

बर्ष:- 05

अंक:- 346

मुरादाबाद

(Saturday)

11 April 2026

पृष्ठ:-8

मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

कृष्ण न लिखूँ सब

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001



मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

मथुरा में बड़ा हादसा: यमुना में पुल से टकराकर पलटी नाव, पंजाब के 10 श्रद्धालुओं की मौत; CM योगी ने जताया दुख

वृंदावन और मान के बीच यमुना नदी में शुक्रवार को एक नाव पलटने का हादसा हुआ। इस दुर्घटना में कई लोग यमुना में डूब गए। यह घटना केसी घाट के पास हुई। पुल वृंदावन और मान के बीच बना हुआ है। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। केसी घाट पर श्रद्धालुओं से भरी एक नाव पलटने से टकराकर यमुना नदी में पलट गई। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मिलकर बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। गोताखोर यमुना के गहरे पानी में डूबे हुए लोगों की तलाश में जुटे हैं। 10 श्रद्धालुओं की मौत - इस



यमुना में नाव पलटने से हड़कंप

25 थे सवार, 15 का रेस्क्यू, 10 की मौत

दुर्घटना में नाव सवार करीब 25 श्रद्धालु यमुना के पानी में डूब गए। पुलिस की टीम ने गोताखोरों की मदद से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इनमें से एक श्रद्धालु को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। दुखद रूप से, इस हादसे में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। डीआईजी शैलेश

कुमार पांडे ने इसकी पुष्टि की है। बचाव कार्य और स्थिति-सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने बिना देर किए बचाव अभियान शुरू कर दिया। दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आ

रही है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और बचाव दल का सहयोग करने की अपील की है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। पंजाब से आया था 150 लोगों का दल-जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि 150 लोगों का दल लुधियाना, पंजाब और मुक्तेश्वर से आया है और ये सभी उनमें

ही शामिल थे। बताया गया है जिस नाव में लोग सवार थे वो भी पलट कर डूब गई है और उसकी तलाश भी जारी है। जिसकी यह नाव है वो प्राइवेट नाविक था। सीएम योगी ने जताया दुख- हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्य संचालित करने और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

महिलाओं से PM मोदी को मांगनी चाहिए माफी, महिला आरक्षण विधेयक लागू करने में देरी पर बोले जयराम रमेश



यह आरोप ऐसे समय में आया है जब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन केवल एक विधायी अभ्यास नहीं, बल्कि करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने सभी सांसदों से इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह किया था। प्रधानमंत्री ने अपनी वेबसाइट पर लिखे एक लेख में कहा था कि समाज तब प्रगति करता है जब महिलाएं प्रगति करती हैं। कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023) के कार्यान्वयन में कथित देरी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। पार्टी का आरोप है कि सरकार ने इस महत्वपूर्ण कानून को लागू करने में यू-टर्न लिया है, जो उनकी विफलता और विदेश नीति में गंभीर झटकों को छिपाने का प्रयास है। जयप्रम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में

लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया में लेख लिखना शुरू कर दिया है, ताकि वे खुद को 2029 से लोकसभा और विधानसभा में महिला आरक्षण का अकेला चैंपियन बता सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को भारत की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। वर्षों तक टालते रहे नारी शक्ति वंदन अधिनियम - कांग्रेस नेता कांग्रेस सांसद ने कहा, जब 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया था, तब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसकी मांग की थी कि इसे 2024 से ही लागू किया जाए। लेकिन यह प्रधानमंत्री को स्वीकार नहीं था, जिन्होंने आरक्षण को परिसीमन और जनगणना की प्रक्रियाओं पर निर्भर बना दिया - जिन्हें वे स्वयं समय पर करवा नहीं पाए और वर्षों तक टालते रहे। उन्होंने कहा, 30 महीने बाद, विधानसभा चुनावों में संभावित हार का सामना करते हुए-और

यह सब उस स्थिति में जब चुनाव आयोग संघ गृह मंत्रालय के एक अधीनस्थ कार्यालय की तरह काम कर रहा है-प्रधानमंत्री ने अपना मन बदल लिया है। अब वे चाहते हैं कि हम जनगणना को भूल जाएं और जनगणना आधारित परिसीमन को भी यह कहकर नजरअंदाज कर दें कि इसमें बहुत समय लगेगा। यह मोदी सरकार का यू-टर्न = जयराम रमेश ट्वांग्रेस नेता ने लिखा, यह तब कहा जा रहा है, जबकि उनके ही जनगणना आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि इसके परिणाम 2027 तक आ जाएंगे। यह एक ऐसा नैरेटिव है जो झूठ और टालमटोल पर आधारित है, और यह सब इस उम्मीद में किया गया है कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की महिलाएं भाजपा की ओर जाएंगी। आखिरकार, इन राज्यों में भाजपा के पास किसी अन्य मुद्दे पर कोई ठोस नैरेटिव नहीं है। उन्होंने इसे मोदी सरकार का यू-टर्न बताया है। उन्होंने कहा कि यह विपक्ष के साथ संवाद करने की उनकी अनिच्छा और उनकी योजना बनाने की पूर्ण कमी को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा, यहही नहीं, पीएम मोदी अब इस यू-टर्न का श्रेय लेने का दावा भी कर रहे हैं। उनकी पाखंड और भ्रामक राजनीति को कोई सीमा नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस कर रही अपना काम, पवन खेड़ा पर कार्रवाई को लेकर बोले सीएम हिमंत; गौरव गोगोई पर भी साधा निशाना

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि अपराधी के घर जाने के लिए ही पुलिस को वेतन मिलता है। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा के घर पुलिस कानूनी प्रक्रिया के तहत ही गई थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि राज्य पुलिस कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के मामले में अपना काम कर रही है। यह मामला मुख्यमंत्री की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा है, जिसमें कई पासपोर्ट रखने और विदेशी संपत्तियों के स्वामित्व का आरोप लगाया गया है। मुख्यमंत्री सरमा ने राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर भी निशाना साधा। उन्होंने गोगोई की पत्नी और बच्चों की ब्रिटिश नागरिकता का जिक्र कर सवाल उठाया कि ऐसा व्यक्ति देश की सेवा कैसे कर सकता है, जिसके पास भारतीय परिवार नहीं हो। पुलिस की भूमिका पर जोर - विधानसभा चुनावों के मतदान समाप्त होने के बाद असम भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमने पुलिस को खेड़ा के पीछे लगाया है। हम और किसे यह काम सौंपेंगे? अगर एफआईआर दर्ज हुई है, तो पुलिस का कर्तव्य है कि वह उस पर कार्रवाई करे। उन्होंने आगे कहा, पुलिस कानून को मानती है और वे एक ऐसे व्यक्ति के घर जा रहे हैं जिसका नाम एक मामले में है, जो कानूनी है।

लखनऊ में नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल का शुभारंभ, सीएम योगी बोले-हमारी दिनचर्या बदली तो परिणाम हमारे सामने हैं

लखनऊ में नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि आज हमारी दिनचर्या बदली है तो परिणाम और चुनौतियां हमारे सामने हैं। राजधानी लखनऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का शुभारंभ हुआ। समारोह कार्डिओलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया की तरफ से आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि हमारे देश में प्राचीनकाल से ही समय पर जगना, सोना और संतुलित आहार लेना हमारी दिनचर्या का हिस्सा रहा है। लेकिन, दिनचर्या बदली, लाइफस्टाइल बदली तो परिणाम भी हमारे सामने हैं और चुनौतियां भी। सरकार स्वास्थ्य अवसररचना और किफायती उपचार के विस्तार पर काम कर रही है। दूसरी ओर, समाज को बीमारियों से पहले ही सुरक्षित करने की रणनीति यानी 'बचाव' को प्राथमिकता देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यही द्विस्तरीय दृष्टिकोण आने वाले भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार बनेगा और 'विकसित भारत' की परिकल्पना को वास्तविकता में बदलने की दिशा तय करेगा। नियमित दिनचर्या हमेशा से स्वस्थ जीवन का आधार रही है। उन्होंने कहा कि आज समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। जबकि, भारत की परंपरा में संतुलित आहार और नियमित



दिनचर्या हमेशा से स्वस्थ जीवन का आधार रही है। बदलती जीवनशैली के चलते उत्पन्न चुनौतियों के बीच अब स्वास्थ्य के दो प्रमुख आयाम-बचाव और उपचार स्पष्ट रूप से सामने हैं। सीएम ने आगे कहा कि जिस तेजी से नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियां बढ़ रही हैं। समाज का बड़ा वर्ग इसकी चपेट में आ रहा है, वह गंभीर चिंता का विषय है। पहले गंभीर बीमारी का मतलब पूरे परिवार के लिए आर्थिक संकट होता था, क्योंकि न पर्याप्त स्वास्थ्य संस्थान थे और न ही विशेषज्ञों की उपलब्धता। लेकिन, पिछले वर्षों में स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से आज देश के लगभग 55-60 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है। 1400 करोड़ रुपये उपचार के लिए जनता को उपलब्ध कराए गए- उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री राहत कोष के

माध्यम से लगभग 1400 करोड़ रुपये उपचार के लिए जनता को उपलब्ध कराए गए, जो सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण है। हाल ही में शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा वर्कर्स, एएनएम तथा मिड-डे मील से जुड़े रसोइयों को भी इस योजना में कवर किया गया है। ताकि, समाज का एक बड़ा वर्ग अब स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में आ गया है। एक दशक पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित थे, जो 25 करोड़ की आबादी के लिए बेहद अपर्याप्त थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 81 हो गई है। 2 एम्स भी संचालित हैं। हर जिले में आईसीयू की स्थापना, अनेक स्थानों पर कैथ लैब की शुरुआत, निजी क्षेत्र में सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों का तेजी से विस्तार और पुराने मेडिकल कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर का सुदृढ़ीकरण स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती दे रहा है। अधिक स्मार्टफोन के उपयोग ने नई बीमारियों को जन्म दिया सीएम ने उदाहरण देते हुए

बताया कि के जीएमयू में प्रतिदिन 12 से 14 हजार, एम्स दिल्ली में 16 से 17 हजार और एसजीपीजीआई में 10 से 12 हजार तक ओपीडी होती है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक मरीज को पर्याप्त समय और गुणवत्तापूर्ण उपचार दे पाना कठिन हो जाता है। भविष्य में यह दबाव और बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली, विशेषकर प्रतिदिन 4 से 6 घंटे स्मार्टफोन के उपयोग ने नई बीमारियों को जन्म दिया है। वहीं डायबिटीज का तेजी से बढ़ता प्रसार भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। इन परिस्थितियों में केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि व्यापक जन जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। सीएम ने आगे कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती बदलती जीवनशैली और खान-पान में बढ़ती मिलावट है। अतीत में लोग समय पर सोते-जागते और संतुलित आहार लेते थे, जबकि आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन उनपर नहीं, चुनावी रैली में भाजपा पर बरसीं CM ममता



ममता बनर्जी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए असम चुनाव में बाहर से लोग लाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश की सभी एजेंसियों को खरीद लिया है और उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर तीखा हमला किया। उत्तर 24 परगना जिले के टेंटुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को असम के स्थानीय लोगों के वोटों पर भरोसा नहीं था। इसलिए पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए बाहर से लोग बुलाए। ममता ने दावा किया कि उत्तर

प्रदेश से 50,000 लोगों को ट्रेन में भरकर असम लाया गया। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के राज में देश की कोई भी एजेंसी निष्पक्ष नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसरिया पार्टी ने सभी एजेंसियों को खरीद लिया है। भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, एक सांप पर तो भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर कभी नहीं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच जुबानी जंग काफी तेज हो गई है। रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने वोट लिस्ट से नाम

हटाए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 90 लाख नाम हटा दिए गए हैं। एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि इन 90 लाख नामों में से 60 लाख हिंदू और 30 लाख मुस्लिम हैं। उन्होंने असम के एनआरसी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी 19 लाख नाम लिस्ट से बाहर किए गए थे, जिनमें 13 लाख हिंदू और 6 लाख मुस्लिम थे। ममता बनर्जी ने लोगों को आगाह किया कि वे भाजपा पर कभी विश्वास न करें। असम की 126 सीटों के लिए गुरुवार को मतदान हुआ था।

संपादकीय Editorial

Who turned their backs?

The economic crisis teaches us what we don't learn under normal circumstances, so the paths are strengthened where clay is turned to stone. If tough decisions are born from the womb of economic crisis, that will be a measure of your worth; otherwise, even priceless pearls shatter and scatter. While Himachal's efforts to gather its scattered pearls are being tested, it's also worth considering that sooner or later, governments will have to change their character. It's being understood that after slashing the pay bills of ministers and MLAs, efforts are underway to nurture the future with tough decisions. In this context, extensions of service for officers and employees in Himachal have been put on hold, or reappointments have been halted. Although generous grants were distributed through extensions, re-employment, and re-engagement, the pens of such decisions are now sweating. The autumn in the government garden has ruined the days and months of the bees. The decision hasn't uprooted the previous extension, yet this spell will collapse in due course. In fact, every government in Himachal Pradesh has built magical castles for itself, but each wonder proves to be overwhelming. The streets of Shimla don't allow the rulers to be heard, and the drums that are played during welcomes completely dull the ears. Therefore, the racial traditions of senior officials keep Himachal dancing on their fingers. The real job comes after the term ends. These bell-bells have been taught the etiquette of silence, otherwise even the walls once had ears. On the other hand, the rewards cultivated through government experience have never allowed governments to venture beyond their four walls. Files create chaos in the silence of the secretariat, and the compulsions of power bleed in the whirlpool of martyrdom. However, Himachal's decisions are also being reviewed in the context of economic standards, so one must wonder who those quails were who ruined the entire field. Clearly, the expensive trappings of government employment have taken a toll on the treasury. Had past governments not turned the treasury into a slaughterhouse, their debts wouldn't have broken their limbs. Now, if job extensions are stalled, who can explain what system or demand allowed a few officers and employees to be held in high esteem, preventing them from ever feeling the government's disregard for them? Himachal's pursuit of reputation has always been a challenge. These final two years of a government's tenure often lead to the treasury's oblivion. Who has ever been satisfied? Whether the previous government provided free electricity or discounted HRTC bus service to women passengers, they have become loyal to power. Numerous announcements have certainly yielded a few coins, but in Himachal's ever-changing election season, no one is anyone's ally. The day governments see the loyalty of employees in Pangi, Kinnaur, or Shillai, far from the court of Shimla, the standard of good governance will change. The day politics ceases to merely reflect public desire, social concerns will shift. The day political leaders cease to consider themselves mere personnel transfer machines, the public's democratic expression will change. The day governments understand that the private sector has a population of approximately 250,000 employees, traders, entrepreneurs, and self-employed individuals, far outnumbering the approximately 450,000 public sector pensioners, the entire system will change. If governments ever formulate policies in accordance with the desires of the private sector, the constraints of power will be removed.

The future of the economy hinges on the ceasefire.

Hopefully, the Modi government will quickly formulate a credit guarantee scheme to consider loans for war-affected MSMEs. Crude oil supplies from Russia and Venezuela will be further increased. The ceasefire has provided significant economic relief to the Indian economy. The government is working on a multi-pronged strategy to control inflation. India has large food reserves and a strong foreign exchange reserve. The two-week ceasefire between the US and Iran appears to be providing significant economic relief to India. The stock market has risen, and the rupee has strengthened against the dollar. Since the international oil supply chain takes time to normalize, it may take time for India to reap the economic benefits of the ceasefire, but this truce will certainly help preserve India's Goldilocks (rapid growth and inflation control) economic phase. Recently, the World Bank declared the Indian economy the best-performing economy in South Asia, driven by strong domestic activity. In its monetary policy review, the RBI also projected a growth rate by keeping the policy interest rate (repo rate) unchanged at 5.25 percent and pursuing the path of cheap credit. However, some clouds of concern still loom. While the differing conditions offered by the US and Iran regarding a ceasefire reflect distrust between them, Israel has stated that the ceasefire in Lebanon will not be implemented. This indicates that the embers of war in West Asia have not yet completely subsided. In such a situation, the Indian government will have to move forward with a multi-pronged strategy to rapidly implement relief and reforms. Recently, reports from global credit rating agencies and global organizations have consistently projected a decline in India's growth rate and a rise in inflation. Global rating agency Moody's stated that energy prices and supply chain disruptions could slow India's growth rate and increase economic pressures. Declining private consumption, slowing industrial activity, and high costs could slow investment, impacting growth. Ratings has lowered India's growth forecast for the current fiscal year 2026-27 to 6 percent, from the previous estimate of 6.8 percent. It also projects an average inflation rate of 4.8 percent in the current fiscal year, higher than the 2.4 percent estimated in 2025-26. If a ceasefire is effective, concerns about rising inflation and declining growth will be alleviated. It is noteworthy that to protect the common people and the economy from crisis, the government is working to ensure the availability of essential commodities such as petrol, diesel, gas, food, and fertilizers. Despite rapidly rising global crude oil prices, state-owned oil companies have not increased the prices of petrol and diesel. To maintain stable prices, the government has reduced excise duty by ₹10 per liter and has also implemented the Essential Commodities Act. Approximately 5 million gas cylinders are being delivered daily. The government has taken several strategic steps, including increasing buffer stocks for essential food items, strategically selling food grains procured in the open market, and facilitating essential imports. This will help control inflation. The government has also launched the Resilience and Logistics Intervention for Export Facilitation (RELIEF) scheme worth ₹497 crore to provide relief to exporters. MSME exporters will particularly benefit from this scheme. Amid the challenges of the Iran war, several key fundamentals have emerged as India's strengths. Currently, the country has large food grain reserves and adequate stocks of essential medicines. India achieved a record production of 357 million tonnes of food grains in the 2024-25 fiscal year. Even higher food grain production is expected in the 2025-26 fiscal year. The Food Corporation of India had over 60 million tonnes of wheat and rice in the central pool at the end of March 2026, which is crucial for food security. Public debt across the world has seen a massive surge in the war, but even during these challenging times, India has set an example by excelling in its debt management. India's total debt-to-GDP ratio stands at 81 percent, currently the lowest among all major global economies. India has managed to maintain economic stability despite the growing debt burden worldwide. India also currently has a foreign exchange reserve of over \$680 billion. It is expected that the Modi government will quickly formulate a credit guarantee scheme to consider loans for MSMEs affected by the war. It will further increase crude oil supplies from Russia and Venezuela. It will strongly pursue adequate supplies of fertilizers, including reducing import duties on edible oils, to control inflation. It will also pursue a strategy to increase the share of renewable energy in total energy supply while reducing energy import dependence.

The Changing Culture of Parliamentary Work

The journey of Indian parliamentary democracy is not merely a story of strengthening institutions. It is a saga of unwavering resolve that transforms every challenge into an opportunity and every crisis into a force for reconstruction. Om Birla promoted the use of Hindi in parliamentary work. Technological innovations such as Digital Parliament and 'Sansad Bhashini' were implemented. Orientation programs for MPs improved efficiency. Indian democracy is founded on the noble vision of pluralistic nationalism, in which diversity is considered a strength. The greatest strength of Indian democracy lies in its constitutional institutions. Parliament is the highest forum of these institutions. Every voice expressed in this House represents the hopes and aspirations of millions of citizens. The post of Speaker of the Lok Sabha is the most dignified, impartial, and powerful constitutional post in Indian parliamentary democracy. Elected under Article 93 of the Constitution, the Speaker/Deputy Speaker of the Lok Sabha acts as a guardian for the smooth conduct of House proceedings, adherence to rules, discipline of MPs, protection of privileges, and maintenance of the supremacy of the House. Current Lok Sabha Speaker Om Birla was unanimously elected Speaker of the 17th Lok Sabha on June 19, 2019.

The National Democratic Alliance, as well as major opposition parties, extended their support to the election. This broad consensus was a testament to the belief in his ability to conduct the House in a balanced, effective, and disciplined manner. The reformative efforts and institutional innovations he initiated after assuming the Speaker's office not only positively transformed the Lok Sabha's work culture but also significantly enhanced its efficiency. By encouraging the use of the official language, Hindi, in House proceedings, Om Birla has given a new direction to a decades-old practice. Differences of opinion are natural and expected in a democracy, but they should not degenerate into animosity. Diversity of opinion and freedom of expression are what make democracy vibrant. However, the expression of differences is meaningful only within the framework of rules and parliamentary procedures. The restraint with which Om Birla has handled various situations is not only commendable but also serves as an exemplary example for legislatures. A crucial aspect of his tenure was the institutional strengthening of the parliamentary system.

To this end, the Orientation Program was established as a well-organized and effective training session for newly elected MPs, familiarizing them with parliamentary procedures, rules, legislative work, and their rights and duties. This not only increased MPs' participation in the House but also significantly improved the quality of debates. The parliamentary committee system plays a crucial role in ensuring the efficiency, accountability, and inclusiveness of the legislative process. Regular training programs are organized for officers and staff of various legislatures and Parliament through PRIDE (Parliamentary Research and Training Institute for Democracies), the Lok Sabha's parliamentary research and training institute. These programs provide comprehensive training on topics such as digitization, technology integration, functioning and coordination of parliamentary committees, research support, and mandatory reference of bills to department-related standing committees. Under Om Birla's leadership, significant progress has been made in making the Lok Sabha paperless and technological modernization.

The establishment of the "Digital Parliament" platform and modern systems like the digital attendance system for MPs are part of this comprehensive transformation. The "Online Assurance Monitoring System" was strengthened to monitor assurances given by ministers in the House, significantly enhancing accountability and transparency of democratic values. In line with this initiative, the "National e-Vidhan Application" program was implemented on a large scale. Currently, the legislatures of 21 states and union territories are conducting their legislative work digitally through this platform. As the Speaker of the Bihar Legislative Assembly, I have experienced that this innovation has greatly encouraged the digital functioning of the legislatures. Significant steps have also been taken towards the use of artificial intelligence to modernize parliamentary proceedings and enhance transparency, accessibility, and efficiency. The use of the indigenous AI tool "Sansad Bhashini," developed in collaboration with the Lok Sabha Secretariat and the Ministry of Electronics and Information Technology, is particularly noteworthy. Keeping in mind India's linguistic diversity, it has been implemented to make parliamentary documents available in various Indian languages. The position of the Speaker of the Lok Sabha is above party politics, and the Constitution has given him the important role of a neutral arbiter. Maintaining parliamentary discipline is an essential constitutional responsibility of the Speaker. The right to freedom of expression in Parliament is certainly fundamental, but this freedom is meaningful and legitimate only within the framework of parliamentary rules and procedures. Therefore, when the Speaker has to make tough decisions to maintain discipline, it is natural for political disagreement to emerge. Nevertheless, it is important to understand that if the institution of the Speaker is not maintained, it must be respected. If constantly mired in controversy and mistrust, it could weaken the very structure of parliamentary democracy. The journey of Indian parliamentary democracy is not merely a story of strengthening institutions. It is a saga of unwavering resolve that transforms every challenge into an opportunity and every crisis into a force for reconstruction. As long as even a single voice in the House represents the aspirations of the people, Indian democracy will not only survive but will continue to shine brighter.

लाइनपार का रामलीला मैदान, यहां रोज बदइंतजामी से युद्ध होना आम बात, नेताओं ने वादे कर खूब छले लोग

इलाके में टूटी सड़कें, जलनिकासी की कमी और रामलीला मैदान की बदहाली से लोग परेशान हैं। इलाके में आवारा जानवरों की समस्या बनी हुई है। नगर निगम और जनप्रतिनिधियों से लगातार कार्रवाई नहीं हुई। बदहाल है यह इलाका। नहीं हैं। सड़कें टूटी पड़ी हैं। शहर के सबसे में सफाई के भी इंतजाम नहीं है। लोगों का कहते कहते थक गए लेकिन किसी ने ध्यान तो बड़ी बड़ी की जाती हैं लेकिन होता कुछ में जानवर बेरोकटोक घूम रहे हैं। जलभराव लिए नगर निगम ने अभी तक कोई ठोस रामलीला मैदान में स्थानीय लोग सुबह टहलने किनारे कूड़ा होने से कारण दुखी होते हैं। या तीन महीने पर कोई न कोई मेला लगता नहीं होती है। इधर स्थानीय लोग भी कूड़ा चहारदीवारी एक माह पहले टूट गई थी। इस लगा रहता है कि हमला न कर दें। रामलीला मेला लगता है। मेला समाप्त होने के बाद वजह से गंदगी फैल गई है। सुरेंद्र कुमार का पानी भर जाता है लेकिन इस गंभीर



समस्या का समाधान कराने के लिए कोई जनप्रतिनिधि आगे नहीं आता है। गंदगी की सफाई भी नहीं होती है। आनंद सिंह सैनी, कुंदनपुर, रामलीला मैदान में किनारे झाड़ियां उग आई हैं। दीवार टूट गई है। यहां नाली चोक पड़ी हैं। गंदगी के कारण सुबह टहलने वाले भी परेशान हो जाते हैं। राजाराम सैनी, कुंदनपुर, मैदान लाइनपार के लिए बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। यहां प्रतिदिन सफाई की व्यवस्था नगर निगम को करनी चाहिए। गंदगी से सभी लोगों को दिक्कतें होती हैं। प्रिंस कुमार, कुंदनपुर, रामलीला मैदान में गंदगी को देखते हुए स्थानीय लोगों ने मिलकर सफाई की थी लेकिन फिर कूड़ा फेंकने की वजह से गंदगी हो गई है। रामलीला समिति को इस मामले में ध्यान देने की जरूरत है। ओमप्रकाश कुंदनपुर, सिविल लाइंस के पार्कों की तरह रामलीला मैदान में सफाई की व्यवस्था होनी चाहिए। यहां मुख्य मार्ग से जुड़ने वाली सड़क टूट गई है। नगर निगम को सड़क और नाली की सफाई की व्यवस्था करनी चाहिए। बांकेलाल सैनी कुंदनपुर, लाइनपार में प्रकाशनगर से लेकर रामलीला मैदान तक की व्यवस्था काफी खराब हो गई है। प्रकाशनगर में निर्माण की वजह से सड़कें खोद दी गईं। कब तक सड़क दुरुस्त होगी। इस बारे में कोई नहीं जानता है। राजीव कुमार प्रकाशनगर, लाइनपार में आम लोगों की मूल समस्या नाली और खराब सड़कें हैं। आवागमन में परेशानी हो रही है। इस वजह से सभी स्थानीय लोग सड़कों से मिट्टी उठाने का इंतजार कर रहे हैं। मोहन कुमार

गद्दी विवाद: काली मंदिर के महंत बने महाकाल गिरि, प्राचीन सिद्ध पीठ के हितेश्वर गिरि, दोनों को प्रयागराज भेजा

मुरादाबाद में जूना अखाड़े ने विवाद के बाद लालबाग काली माता मंदिर और प्राचीन सिद्ध पीठ नौ देवी काली माता मंदिर में नए महंत नियुक्त किए। महाकाल गिरि और हितेश्वर गिरि को महंत बनाया गया, जबकि वशिष्ठ गिरि और इच्छा गिरि को मुख्य पुजारी नियुक्त किया गया। हटाए गए महंत सज्जन गिरि और राम गिरि का प्रयागराज स्थानांतरण कर दिया गया है। जूना अखाड़े के फैसले के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को लालबाग काली माता मंदिर में नए महंत की नियुक्ति कर दी गई। महाकाल गिरि सिद्ध पीठ का महंत बनाया गया है। साथ ही महंत बनाए गए हैं। वहीं, यहां से हटाए गए महंत सज्जन किया गया है। इस प्रक्रिया को पूरा कराए जाने के भारी पुलिस बल तैनात रहा। श्री पंचदशनाम जूना और सेक्रेटरी महंत कंचन गिरि के नेतृत्व में अखाड़े के माता मंदिर पहुंचे थे। मंदिर में बैठक आयोजित की गिरि और महंत राम गिरि के बीच पूर्व के विवाद पर संतों के साथ कलकट्टे पहुंचे। जहां डीएम से मुलाकात प्राचीन सिद्धपीठ मंदिर के महंत राम गिरि को महंत कराया। साथ ही जल्द महंतों के रूप में नई नियुक्ति महंत सज्जन गिरि और महंत राम गिरि जूना अखाड़े संयुक्त प्रेसवार्ता कर प्रवक्ता पर धनराशि मांगने का आरोप लगाया। साथ ही बिना किसी नोटिस और पूर्व सूचना के प्रशासन व पुलिस को महंतों को हटाए जाने की मिथ्या जानकारी देने का भी आरोप लगाया था। बृहस्पतिवार शाम श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के प्रवक्ता महंत नारायण गिरि और सेक्रेटरी महंत कंचन गिरि के नेतृत्व में कई साधु-संत मुरादाबाद पहुंचे। काली माता मंदिर में बैठक की गई। इसके बाद महंत नारायण गिरि और महंत कंचन गिरि ने प्रमाणपत्र जारी कर महंत महाकाल गिरि को लालबाग काली माता मंदिर और महंत हितेश्वर गिरि को प्राचीन सिद्ध पीठ श्री नौ देवी काली माता मंदिर का महंत नियुक्त करने की घोषणा कर दी। साथ ही महंत इच्छा गिरि को काली माता मंदिर और महंत वशिष्ठ गिरि को प्राचीन सिद्ध पीठ मंदिर का मुख्य पुजारी नियुक्त किया गया। बताया कि अखाड़ा 13 मणिकी ओर से मंदिर में नियुक्ति की संख्या 11 भी हो सकती है। दोनों महंतों को कई बार भेजा था नोटिस, आचरण में नहीं आया बदलाव- प्रवक्ता महंत नारायण गिरि ने बताया कि जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि महाराज की ओर से महंत सज्जन गिरि और महंत राम गिरि को कई बार नोटिस भेजा गया था लेकिन दोनों के आचरण में कोई परिवर्तन नहीं आया। महंत हरि गिरि के निर्देश पर बुधवार को काली माता मंदिर का दौरा किया गया था। सभी पक्षों को सुनने के बाद महंत हरि गिरि महाराज को रिपोर्ट भेजी गई थी। इसके बाद दोनों मंदिरों में नई नियुक्ति कर दी गई। महंत सज्जन गिरि का स्थानांतरण दशशुभघट्ट घाट व महंत राम गिरि का दत्त मंदिर - जूना अखाड़ा के प्रवक्ता महंत नारायण गिरि ने बताया कि महंत सज्जन गिरि और महंत राम गिरि का स्थानांतरण प्रयागराज किया गया। महंत सज्जन गिरि को जूना अखाड़ा दशशुभघट्ट प्रयागराज भेजा गया है। जबकि महंत राम गिरि को दत्त मंदिर जूना अखाड़ा प्रयागराज स्थानांतरित किया गया है। मंदिर के विकास पर खर्च होंगे एक करोड़ रुपये- सेक्रेटरी महंत कंचन गिरि ने बताया कि जूना अखाड़े की ओर से काली माता मंदिर के विकास के लिए एक करोड़ रुपये दिए जाने की घोषणा की गई है। इस धनराशि से मंदिर में महंत निवास बनवाया जाएगा। साथ ही मंदिर की दूसरी व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जाएंगी। महंतगणों ने डीएम व एसएसपी को भेजा पत्र- महंत सज्जन गिरि और महंत राम गिरि ने डीएम और एसएसपी को पत्र भेजकर आरोप लगाया कि कुछ धन लोभी, भूमिफिया प्रवृत्ति के लोग अपने स्वार्थ की पूर्ति और मंदिर संपत्ति पर कब्जा करने की नियत से अखाड़े के पदाधिकारियों से मिलकर मंदिर व महंतों के विरुद्ध षडयंत्र कर रहे हैं। चार थानों की पुलिस रही मौजूद- काली माता मंदिर में महंत हटाए जाने के बाद विवाद बढ़ने की आशंका में बृहस्पतिवार को मुगलपुरा, नागफनी, कोतवाली और गलशहीद थाने की पुलिस तैनात रही। इस दौरान एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह और सीओ कोतवाली सुनीता दहिया भी मौजूद रहीं। एसपी सिटी कुमार रण विजयसिंह ने बताया कि मंदिर में किसी तरह का विवाद न हो जाए। इसलिए पुलिस बल तैनात किया गया था। शिक्षक पर फर्जी शिकायत कर मंदिर को हानि पहुंचाने का आरोप- महंत सज्जन गिरि ने शिक्षा विभाग के महानिदेशक को पत्र भेजकर एक सरकारी शिक्षक पर फर्जीवाड़ा कर नौकरी हासिल करने, मंदिर को मिले दान और धनराशि में हेराफेरी करके ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षक ने बीमा करने के नाम पर उनसे दो लाख रुपये हड़प लिए। इसके बाद वह रोजाना मंदिर आने-जाने लगा। भक्तों से संपर्क साधकर मंदिर के नाम पर चंदा और दान लेना शुरू कर दिया। लाखों रुपये वसूल लिए। स्थिति स्पष्ट होने पर उसने मंदिर के लोगों धमकाना शुरू कर दिया। कुछ लोगों के साथ मिलकर वह मंदिर की मर्यादा के खिलाफ कार्य करने लगा। मंदिर के महंतों के खिलाफ साजिश रचने लगा। फर्जी शिकायतें कर मंदिर को हानि पहुंचाने की कोशिश भी की।



और प्राचीन सिद्ध पीठ श्री नौ देवी काली माता मंदिर को काली माता मंदिर और हितेश्वर गिरि को प्राचीन वशिष्ठ गिरि और महंत इच्छा गिरि मुख्य पुजारी गिरि और महंत राम गिरि का स्थानांतरण प्रयागराज दौरान काली माता मंदिर इलाके व लालबाग क्षेत्र में अखाड़े के प्रवक्ता महंत नारायण गिरि गाजियाबाद साधु-संत बुधवार सुबह 11 बजे लालबाग काली गई थी। बताया जाता है कि बैठक में महंत सज्जन सुनवाई की गई। बाद में महंत नारायण गिरि साधु-कर काली माता मंदिर के महंत सज्जन गिरि और पद से हटाने के जूना अखाड़े के फैसले से अवगत करने की योजना बताई थी। इसकी जानकारी होने पर के फैसले के विरोध में नजर आए। दोनों महंतों ने और प्राचीन सिद्ध पीठ श्री नौ देवी काली माता मंदिर को काली माता मंदिर और हितेश्वर गिरि को प्राचीन वशिष्ठ गिरि और महंत इच्छा गिरि मुख्य पुजारी गिरि और महंत राम गिरि का स्थानांतरण प्रयागराज दौरान काली माता मंदिर इलाके व लालबाग क्षेत्र में अखाड़े के प्रवक्ता महंत नारायण गिरि गाजियाबाद साधु-संत बुधवार सुबह 11 बजे लालबाग काली गई थी। बताया जाता है कि बैठक में महंत सज्जन सुनवाई की गई। बाद में महंत नारायण गिरि साधु-कर काली माता मंदिर के महंत सज्जन गिरि और पद से हटाने के जूना अखाड़े के फैसले से अवगत करने की योजना बताई थी। इसकी जानकारी होने पर के फैसले के विरोध में नजर आए। दोनों महंतों ने

महक-परी का एक और वीडियो: यूट्यूबर के परिजनों और पड़ोसियों में मारपीट, कई लोग हुए घायल; तीन के खिलाफ रिपोर्ट

शहबाजपुर कला गांव में यू-ट्यूबर महक-परी के परिजनों और पड़ोसियों के बीच बच्चों को लेकर हिंसक विवाद हुआ, जिसमें कई लोग घायल हुए। पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। लुपी के संभल जिले मंगलवार शाम यू-ट्यूबर महक-परी के परिजनों और हिंसक रूप ले लिया। इस घटना में दोनों पक्षों के कई आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला बजे शुरू हुआ, जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर लाठी-दोनों पक्ष एक-दूसरे पर मारपीट और हमले का आरोप है। सरफराज के आरोप और पुलिस कार्रवाई- महक तहरीर में आरोप लगाया है कि बच्चों के बीच हुए की। उन्होंने बताया कि इस हमले में उन्हें गंभीर चोटें जाना पड़ा। सरफराज ने अपनी शिकायत में पड़ोसियों आरोप लगाया है। उनकी तहरीर के आधार पर पुलिस ने नूरहसन का दावा और आगे की जांच- वहीं, दूसरे पक्ष उनके परिवार के सदस्यों ने लाठी-डंडों से उन पर और उनके परिवार पर हमला किया। नूरहसन के अनुसार, इस मारपीट में उनके परिवार के भी कई सदस्य घायल हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। थाना प्रभारी ने जानकारी दी कि दूसरे पक्ष की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि नूरहसन या उनके परिवार की ओर से कोई शिकायत मिलती है, तो उसकी भी जांच-पड़ताल कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और शांति व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास कर रही है।



के असमोली थाना क्षेत्र के शहबाजपुर कला गांव में पड़ोसियों के बीच बच्चों को लेकर हुए विवाद ने लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर के दर्ज कर लिया है। यह विवाद मंगलवार शाम करीब छह डंडे चले। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। लगा रहे हैं, जिससे मामले की गुत्थी उलझ गई और परी के पिता सरफराज ने पुलिस को दी अपनी मामूली विवाद के बाद पड़ोसियों ने उनके साथ मारपीट आई हैं और उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले पर जानबूझकर विवाद बढ़ाने और हमला करने का तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। के नूरहसन ने पुलिस को बताया कि सरफराज और उनके परिवार के सदस्यों ने लाठी-डंडों से उन पर और उनके परिवार पर हमला किया। नूरहसन के अनुसार, इस मारपीट में उनके परिवार के भी कई सदस्य घायल हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। थाना प्रभारी ने जानकारी दी कि दूसरे पक्ष की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि नूरहसन या उनके परिवार की ओर से कोई शिकायत मिलती है, तो उसकी भी जांच-पड़ताल कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और शांति व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

मझोला में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, आरोपियों में एक महिला भी शामिल, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद में एक किशोरी से दो युवकों ने दुष्कर्म किया। मामले में महिला समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।



मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी के साथ दो युवकों ने तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया। इसके बाद एक आरोपी ने पीड़िता से जबरन शादी कर ली। आरोपी के भाई ने पीड़िता से दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता के भाई की तहरीर पर महिला समेत चार आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बृहस्पतिवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी बृजेश को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के भाई ने मझोला थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह मेरठ में रहकर नौकरी करता है। घर उसकी 15 वर्षीय बहन और परिवार के अन्य लोग रहते हैं। युवक का आरोप है कि उसके घर के सामने संभल के हजरत नगर गढ़ी थाना क्षेत्र के गढ़ी निवासी बृजेश चक्रर लगाता रहता था और उसने पत्नी पर अपना मोबाइल लिखकर उसके घर में फेंक दिया था। गलती से उसकी बहन ने उस नंबर पर कॉल कर दी थी। इसके बाद आरोपी बृजेश उसे डराने धमकाने लगा था। एक दिन आरोपी उसकी बहन को डराकर अपने दोस्त लक्की के कमरे पर ले गया और वहां आरोपी बृजेश और लक्की ने किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी तमंचा और चाकू दिखाकर पीड़िता को मंदिर ले गए और वहां बृजेश ने नाबालिग के साथ शादी कर ली। आरोपी पीड़िता को अपने घर ले गया। आरोप है कि यहां आरोपी बृजेश के साथी अनुज ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। सब कुछ जानते हुए भी बृजेश के बड़े भाई कपिल और अरविंद ने अनदेखा कर दिया। पीड़ित अपनी बहन को लेने पहुंचा तो आरोपियों ने उसे एससी एसटी एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कराने की धमकी है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मुख्य आरोपी बृजेश को गिरफ्तार कर लिया है। बृहस्पतिवार की शाम आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

मुरादाबाद में दूसरा निकाह करने पहुंचा युवक, पहली बीवी ने कर दिया फोन, लोगों ने बरात को ही बना लिया बंधक

सऊदी अरब में नौकरी करने वाला युवक पाकबड़ा में दूसरा निकाह करने पहुंच गया। इसकी जानकारी पहली बीवी को हुई तो उसने लड़की पक्ष को फोन कर दिया। इसके बाद पूरी बरात को लोगों ने बंधक बना लिया। सऊदी अरब में निकाह करने के बाद एक युवक बृहस्पतिवार को पाकबड़ा में दूसरी शादी करने पहुंच गया। लड़की पक्ष को भनक लगी तो उन्होंने बरात को बंधक बना लिया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत किया। पुलिस ने दूल्हा और उसके परिजनों को हिरासत में ले लिया। कुंदरकी थानाक्षेत्र के साँदा गांव निवासी एक युवक सऊदी अरब में नौकरी करता था। जहां उसने पंजाब की रहने वाली युवती से निकाह कर लिया। इसके बाद युवक सऊदी अरब से घर आ गया। युवक का रिश्ता मैनाटेर थानाक्षेत्र की युवती से तय हो गया। इसकी जानकारी युवक की पहली पत्नी को हो गई। इसके बाद उसके परिजनों ने पंजाब से कुंदरकी पुलिस को फोन किया। युवक के शादीशुदा होने की बात किसी ने लड़की पक्ष को बता दी। यह सुनकर लड़की पक्ष के लोग भड़क गए। गुस्साए लड़की पक्ष ने दूल्हा सहित बरात को बंधक बना लिया। ग्रामीणों की सूचना पर पाकबड़ा पुलिस पहुंची। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। कुछ लोगों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असासलपुरा, लंगड़े की पुलिस, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पुलिस लाइन स्थित शुक्रवार को परेड का एसएसपी ने किया निरीक्षण

अनुशासन व कार्यकुशलता पर दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित शुक्रवार को साप्ताहिक परेड का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य द्वारा विधिवत निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस बल की कार्यकुशलता, अनुशासन एवं प्रशिक्षण स्तर का गहन मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने परेड की सलामी ली तथा उपस्थित पुलिसकर्मियों के टर्नआउट, वर्दी की शुचिता, समन्वय और प्रदर्शन का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने सभी को उच्च स्तर का अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। परेड के उपरांत एसएसपी ने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण किया, जिसमें आदेश कक्ष (ओआर) और रजिस्ट्रारों की पेशी की जांच की गई। अभिलेखों की पूर्णता, अद्यतन स्थिति एवं समयबद्ध संधारण पर विशेष ध्यान देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक



दिशा-निर्देश दिए गए। इसके साथ ही निर्माणाधीन भवन का भी जायजा लिया गया और कार्य की गुणवत्ता व प्रगति को लेकर निर्देश दिए गए। आरटीसी (Recruit Training Centre) का निरीक्षण कर प्रशिक्षण व्यवस्था, अनुशासन और समन्वय का मूल्यांकन किया गया। प्रशिक्षणाधीन रिजर्व

आरक्षियों को नियमितता, समयबद्धता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ पुलिस सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित क्षेत्राधिकारी, प्रतिस्तर निरीक्षक सहित जनपद के विभिन्न थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरेली के 5 घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बिछेगी गैस पाइपलाइन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में रसोई गैस की किल्लत से जूझ रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। अब जल्द ही सिलेंडर की झंझट से छुटकारा मिलने वाला है। शहर के पांच घनी आबादी वाले इलाकों में पाइपड नेचुरल गैस (PNG) पहुंचाने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। पटेल विहार, चौकी चौराहा, चौपुला, सुभाषनगर और आंचल कॉलोनी को इस योजना के पहले चरण में शामिल किया गया है। इन इलाकों में सर्वे का काम पूरा हो चुका है और बड़ी संख्या में लोगों ने कनेक्शन लेने की सहमति भी दे दी है पिछले कुछ समय से एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुकिंग के बाद भी समय पर गैस नहीं मिल रही, जिससे घरों के साथ-साथ सामाजिक कार्यक्रम भी प्रभावित हुए हैं। इसी के चलते पीएनजी की मांग में तेजी आई है। बीते एक महीने में सैकड़ों



नए आवेदन सामने आए हैं। योजना के तहत पहले मुख्य सड़कों के किनारे बड़ी पाइपलाइन डाली जाएगी। इसके बाद मोहल्लों और गलियों में छोटी लाइन बिछाकर हर घर तक कनेक्शन पहुंचाया जाएगा। अंत में मीटर लगाकर सप्लाई शुरू की जाएगी परियोजना को लेकर लोक निर्माण विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनुमति मिल चुकी है। अब सिर्फ नगर निगम की अंतिम मंजूरी का इंतजार है। हरी झंडी मिलते ही पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। सस्ते में मिलेगा कनेक्शन- अधिकारियों के मुताबिक, अभी कनेक्शन

लेने पर विशेष छूट दी जा रही है। उपभोक्ताओं को रियायती दर पर करीब 5000 रुपये में कनेक्शन मिलेगा। इसके साथ ही पहले बिल में भी अतिरिक्त राहत दी जाएगी शहर में पहले ही हजारों घरों तक पीएनजी पहुंच चुकी है। कई प्रमुख इलाकों में इसकी सप्लाई चालू है। अब इस नेटवर्क को और विस्तार देने की योजना बनाई गई है विशेषज्ञों के अनुसार, पीएनजी गैस एलपीजी के मुकाबले सस्ती, सुरक्षित और लगातार उपलब्ध रहने वाली सुविधा है। इससे सिलेंडर बुकिंग और डिलीवरी की परेशानी खत्म हो जाती है। बरेली के लोगों के लिए यह योजना रसोई व्यवस्था में बड़ा बदलाव साबित हो सकती है। आने वाले समय में शहर के और इलाकों को भी इस सुविधा से जोड़ने की तैयारी है।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन, एक सप्ताह तक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गांधी सभागार में राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची को एक सप्ताह तक सभी मतदान केंद्रों, बीएलओ, तहसील कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में निःशुल्क निरीक्षण के लिए रखा गया है। बैठक में पुनरीक्षण के दौरान हुए कार्यों एवं आंकड़ों की जानकारी दी गई। साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची की प्रति भी उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों ने बताया कि जिन पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल नहीं हो पाया है, वे फार्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे



बुलडोजर चलने के दो दिन बाद हाल जानने पहुंचे सपाई



क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। कोहाड़ापीर से लेकर धर्मकाटे तक सीएम ग्रिड योजना के तहत दुकानों, घरों और मस्जिद पर निगम का बुलडोजर चलने के दो दिन बाद गुस्वार को समाजवादी पार्टी (सपा) का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित व्यापारियों का हाल जानने पहुंचा। सपा नेताओं ने कहा कि महापौर, एमपी, एमएलए समेत

सब सत्ता के नशे में चूर हैं। व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। पार्टी उनके हक के लिए आंदोलन करेगी। प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व मेयर सुप्रिया ऐरन ने कहा कि इतने सालों से ये लोग यहां रह रहे हैं, व्यापार कर रहे हैं और सभी टैक्सदाता हैं। बावजूद अचानक नगर निगम ने इन सभी पर कार्रवाई कर दी। यह कार्रवाई

इनके घरों और मकानों पर नहीं कि गई है बल्कि रोजी-रोटी पर बुलडोजर चला है। उन्होंने सवाल उठाया कि मेयर, एमपी, एमएलए इतने सालों से क्या कर रहे थे। ये सभी सत्ता के मद में चूर हैं। इतना बुरा हाल है कि कोई भी नियम-कानून मानने को तैयार नहीं है। आजादी के पहले से रोजगार चला रहे व्यापारियों के प्रतिष्ठानों को

इंस्टाग्राम विवाद में हुई हत्या का 36 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली एक सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर खुलासा कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। सोशल मीडिया पर हुई मामूली कहासुनी ने उस वक्त खौफनाक मोड़ ले लिया, जब इंस्टाग्राम पर कमेंट और इमोजी को लेकर शुरू हुआ विवाद हत्या तक पहुंच गया। दरअसल, 8 अप्रैल 2026 को बरेली चौपला के पुरानी रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। मृतक की पहचान मलुकपुर निवासी 24 वर्षीय अमन रजा के रूप में हुई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने तेजी



से कार्रवाई करते हुए तकनीकी साक्ष्य और सर्विलांस की मदद ली। जिसके बाद 10 अप्रैल को मुख्य आरोपी समद मुसा, उम्र 19 वर्ष, को सिटी सब्जी मंडी के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी और मृतक के बीच इंस्टाग्राम रील्स को लेकर विवाद चल रहा था। मृतक के कमेंट और इमोजी से नाराज होकर आरोपी ने हत्या की साजिश रच

डाली। योजना के तहत 7 अप्रैल की रात आरोपी ने अमन को मिलने के लिए बुलाया। पहले रेलवे ट्रैक के पास धक्का देकर मारपीट की गई, फिर सुनसान खंडहर में ले जाकर ईंट से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल खून से सनी ईंट, मृतक का आधार कार्ड, खून लगे कपड़े और मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं के बालिकाओं को सुरक्षा सम्मान सरकारी योजनाओं तथा जागरूक किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा / मुरादाबाद थाना मुगलपुरा मिशन शक्ति अभियान फेज अ- 5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध में जामा मस्जिद चौराहा पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृद्धावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा - 112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर - 1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए MST 02 थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद



उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ने रचा इतिहास IBEX इंडिया BFSI टेक अवॉर्ड्स

2026 में जीते दो गोल्ड अवॉर्ड

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय बरेली द्वारा गुरुवार को एक भव्य टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बैंक की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रबंधक नीरज टंडन ने बताया कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ने प्रतिष्ठित "IBEX इंडिया ब्लैकबोर्ड टेक अवॉर्ड्स 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर दो स्वर्ण पदक हासिल कर इतिहास रच दिया है। बैंक को टेक इन ऑपरेशनल एक्सिलेंस और "AI बैंकिंग श्रेणी में गोल्ड अवॉर्ड प्राप्त हुए हैं। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक अब देश का एकमात्र ऐसा ग्रामीण बैंक बन गया है, जिसका कुल व्यवसाय ?2.30 लाख करोड़ से अधिक हो चुका है। इस सफलता का श्रेय उन्होंने बैंक के समर्पित स्टाफ और ग्राहकों के विश्वास को दिया। इस अवसर पर मुख्यालय लखनऊ से आए महाप्रबंधक उत्तम कुमार मिश्रा



ने कर्मचारियों को उत्कृष्ट ग्राहक सेवा और बैंकिंग उत्पादों के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए प्रेरित किया। उन्होंने क्षेत्रीय प्रबंधक के नेतृत्व की सराहना करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बैंक का विजन और मिशन भी साझा किया। बैठक के अंत में क्षेत्रीय प्रबंधक नीरज टंडन के नेतृत्व में सभी अधिकारियों और शाखा प्रबंधकों ने डिजिटल साक्षरता

जनसुनवाई में दिव्यांग को मिली तुरंत राहत , SDM इशिता किशोर ने उपलब्ध कराई ट्राई साइकिल

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / प्रार्थी की समस्या पर त्वरित कार्रवाई , प्रशासन की स्नेहशीलता का उदाहरण बरेली । जनसुनवाई के दौरान एक बार



फिर प्रशासन की संवेदनशीलता और तत्परता देखने को मिली। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी बहेड़ी इशिता किशोर ने एक दिव्यांग प्रार्थी की समस्या का मौके पर ही समाधान कर उसे बड़ी राहत दी। शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में गोपाल बहरागी नामक दिव्यांग प्रार्थी ने ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। मामले की गंभीरता को समझते हुए एसडीएम ने तुरंत सज्ञान लिया और आवश्यक कार्यवाही करते हुए प्रार्थी को ट्राई साइकिल उपलब्ध करवा दी। ट्राई साइकिल मिलने के बाद प्रार्थी ने खुशी जाहिर करते हुए प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एसडीएम इशिता किशोर ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निस्तारण किया जाए, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके।

होटल संचालक से रंगदारी मांगने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) / शिवपुरी। बामौरकलां थाना पुलिस ने होटल संचालक को धमकाकर पैसे मांगने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बामौरकलां निवासी होटल संचालक संजीव कुमार जैन (55) ने 9 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी कि तीन युवक उनके होटल पर आए और उन्हें धमकाते हुए पैसे की मांग करने लगे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने आरोपी अंकित यादव, रंजीत उर्फ मोहित यादव और दीपक यादव को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर 10 अप्रैल को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय लोधी सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रखने की बात कही है।



बरेली के व्यापारी पुत्र ने दुबई में गंवाई जान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। युद्ध कहीं भी हो, उसके विनाशक प्रभाव सैन्य बलों पर ही नहीं बल्कि आम लोगों की जिंदगी पर भी उतने ही खतरनाक प्रभाव डालते हैं। सपनों के शहर के नाम से पहचाने जाने वाले दुबई में बरेली के भी बहुत लोग रहते हैं। बिहारी के रहने वाले जी शान अजहरी मंसूरी भी उनमें से एक थे। वह दुबई स्थित नेशनल बैंक ऑफ रास अल खैमाह (रेक बैंक) बैंक में काम करते थे। शानदार करियर और मनचाहा पैसा था। जल्दी ही एचआर मैनेजर पद पर प्रमोशन होने वाला था, मगर उससे पहले ही उनके साथ अनहोनी हो गई। जीशान अजहरी शहर में बिहारीपुर पुलिस चौकी के पीछे रहने वाले जान मोहम्मद उर्फ लल्ला (लल्ला बिस्कुट वाले) के तीन पुत्रों में सबसे छोटे थे। 2020 से वह दुबई की बैंक में जाँव कर रहे थे। ईरानी मिसाइल हमले में खाई बनी सड़क ने जीशान की जान ले ली। उनके साथ पाकिस्तानी कार ड्राइवर भी मारा गया। मनहूस हादसे की खबर दुबई से बरेली पहुँची तो परिवार-रिश्तेदार नहीं, बल्कि पूरे इलाके में मातम छा गया। होनहार जीशान की मौत ने परिवार को तोड़कर रख दिया। काफी कोशिशों के बाद गुरुवार को जीशान का शव दुबई से बरेली लाया गया। शाम उनको गमगीन माहौल में सुपुर्द ए खाक किया गया। परिवार से जुड़े लोगों ने बताया कि जीशान की मौत 26 मार्च को उस समय हुई, जब वह दुबई में बैंक के क्लाइंट से मिलकर कार से लौट रहे थे। पाकिस्तान रहने वाला ड्राइवर गाड़ी चला रहा था। कुछ दिन पहले वहाँ ईरान से मिसाइल अटैक किया गया था, जिसकी वजह से पहाड़ टूटकर सड़क में गहरा गड्ढा हो गया था और उसमें पानी भर गया था। कार उसी खाई में गिर गई और ड्राइवर के साथ जीशान की जान चली गई। तुरंत रेस्क्यू किए जाने के बाद उन्हें बचाया नहीं जा सका।



अलग रहने के विवाद में बेटे ने पिता को मारी राँड, चली गई जान; मां ने लड़के के बचाव में कही यह बात

जगतपुरा गांव में अलग रहने के विवाद में बेटे सौरभ ने पिता संदीप कुमार की हत्या कर दी। आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र में एक पारिवारिक विवाद ने दुखद मोड़ ले लिया, जहाँ अलग रहने को लेकर हुए झगड़े में बेटे के हमले में पिता की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मां ने आरोपी को मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया है। उसका दो साल से इलाज चल रहा था। कोतवाली क्षेत्र के जगतपुरा गांव निवासी संदीप कुमार (45) अपने तीन बेटों सौरभ (21), कल्लू (16) और शिवम (12) तथा पत्नी अमरवती के साथ रहते थे। सात अप्रैल को सुबह करीब 11 बजे घर में संदीप और सौरभ ही मौजूद थे, जबकि अमरवती बाहर गई थीं। इसी दौरान अलग रहने और अलग खाना बनाने की बात को लेकर पिता-पुत्र के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच हाथापाई होने लगी। इसी बीच सौरभ ने गुस्से में आकर लोहे की राँड से पिता के सिर पर वार कर दिया। इससे वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। घटना के बाद सौरभ घर से निकल गया। कुछ देर बाद जब अमरवती घर लौटी तो पति को अचेत अवस्था में पड़ा देख शोर मचाया। परिजनों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल उरई पहुँचाया, जहाँ से हालत गंभीर होने पर उन्हें झांसी रेफर कर दिया गया। वहाँ बुधवार रात संदीप कुमार ने दम तोड़ दिया। बृहस्पतिवार सुबह शव गांव पहुँचने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मां अमरवती की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बेटे सौरभ के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। अमरवती के अनुसार सौरभ पिछले दो वर्षों से ग्वालियर में इलाज करा रहा था, लेकिन हाल के दिनों में वह दवा नहीं खा रहा था। सीओ शैलेंद्र बाजपेई ने बताया कि घटना की सूचना पहले पुलिस को नहीं दी गई थी। संदीप की मृत्यु के बाद मामला सज़ान में आया है। इसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। बताया कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार है और उसका इलाज चल रहा था।

रिश्तों का कत्ल: यूपी में भांजे से बहू को हुआ प्यार, सास को जहर देकर मार डाला; बोली- सबको खत्म करना चाहती थी

काकोरी में एक बहू ने प्रेम संबंध के चलते अपनी सास को जहर देकर मार डाला। आरोप है कि वह पति और ससुर को भी मारने की योजना बना रही थी। संपत्ति हड़पने की साजिश उजागर होने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर जांच शुरू इब्राहिमगंज गांव में दिल दहला देने वाली कथित रूप से अपने भांजे प्रेमी के साथ मार डाला। 5 अप्रैल की रात रोटी में जहर हालत बिगड़ी और अस्पताल ले जाते समय शालिनी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पूछताछ मारने की साजिश की बात कबूल की। आरोपी को हिरासत में ले लिया है प्रेमी मृतका के बेटे मनोज रावत का आरोप है महीनों से सगे भांजे के साथ प्रेम प्रसंग मां की जान ले ली। पूछताछ में आरोपी कि उसकी योजना सिर्फ सास तक सीमित भी जहर देकर खत्म करना चाहती थी, सके और पूरी संपत्ति पर कब्जा जमा सके। हुआ- घटना के पांच दिन बाद जब परिजनों पोस्टमार्टम कराने की बात कही, तो सच्चाई सुनकर परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और घर के एक कमरे में मौरंग के ढेर में छिपाकर रखी जहर मिली आधी रोटी बरामद की। इस्पेक्टर सतीश राठौर के अनुसार आरोपी महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। गांव में इस घटना के बाद मातम, दहशत और आक्रोश का माहौल है जहाँ एक मां की मौत ने पूरे समाज को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर रिश्तों में इतनी कड़वाहट कैसे घुल गई कि रोटी भी जहर बन गई। परिवार में पिता बिरगज रावत, मनोज का बेटा हार्दिक है।



निजी विद्यालयों की फीस पर सख्ती, उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गांधी सभागामें जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निजी विद्यालयों द्वारा मनमाने शुल्क वसूले जाने पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए गए कि समिति की संस्तुति के बिना किसी भी प्रकार की शुल्क वृद्धि नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को एक ही दुकान से पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य न किया जाए। शिकायत मिलने पर संबंधित विद्यालय के खिलाफ अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्कूल वाहनों की फिटनेस अनिवार्य कराने, निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को न बैटाने तथा प्रत्येक वाहन पर चालक का नाम व मोबाइल नंबर अंकित करने के निर्देश भी दिए। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि विद्यालयों में एनसीईआरटी पुस्तकों से ही शिक्षण कार्य कराया जाए तथा ड्रेस को पांच वर्ष से पहले न बदला जाए। साथ ही पिछले तीन वर्षों में वसूले गए शुल्क और परिवहन शुल्क का विवरण भी विद्यालयों से मांगा गया है। अधिनियम के तहत पहली बार उल्लंघन पर एक लाख रुपये तक जुर्माना, दूसरी बार पांच लाख रुपये तक जुर्माना तथा तीसरी बार उल्लंघन पर विद्यालय की मान्यता समाप्त करने की संस्तुति की जा सकती है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, समिति के सदस्य एवं जनपद के विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।



स्कूल बस खराब, बच्चों से लगवाया धक्का, वीडियो सामने आते ही बीएसए ने की जांच की बात

स्कूली बस खराब होने पर बच्चों से ही धक्का लगवाया गया। इसका किसी ने वीडियो बना लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर चलने लगा। वीडियो का संज्ञान लेते हुए बीएसए डॉ. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। अलीगढ़ के रामघाट रोड स्थित एक स्कूल की लापरवाही सामने आई है, जहाँ खराब हुई बस को आगे बढ़ाने के लिए छोटे-छोटे बच्चों से ही धक्का लगवाया गया। हैरानी की बात यह रही कि जहाँ पांच बच्चे बस को धक्का लगा रहे थे, वहीं बाकी छत्र बस के अंदर बैठे रहे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद शिक्षा विभाग ने कार्रवाई की है। बीएसए डॉ. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे प्रकरण की जानकारी परिवहन विभाग को भी भेजी जाएगी, ताकि स्कूल बसों की फिटनेस और सुरक्षा मानकों की जांच की जा सके।

5-20 साल तक फर्जी कागजों पर की सरकारी नौकरी, पांच शिक्षक बर्खास्त, एक ही विवि के लगा दिए कागज

जिले में पढ़ाने वाले पांच शिक्षकों ने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की डिग्रियां नौकरी पाने में लगाईं। शक के आधार पर जब जांच शुरू हुई तो ये डिग्री फर्जी पाई गईं। बेसिक शिक्षा विभाग ने कार्रवाई करे हुए अग्रिम जांच बैठा दी है। जिले के बेसिक शिक्षा विभाग ने फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी कर रहे पांच शिक्षकों की सेवा समाप्त कर दी है। यह कार्रवाई तब की गई जब विभाग ने इन शिक्षकों के प्रमाण पत्रों की संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के माध्यम से जांच कराई, जिसमें उनका शैक्षिक रिकॉर्ड फर्जी पाया गया। बीएसए लता राठौर ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय बधेव में तैनात शिक्षक किरण, भूरा के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक अरविंद कुमार, ऊन ब्लॉक में तैनात शिक्षक कपिल, शामली ब्लॉक में चांदवीर व थानाभवन ब्लॉक में तैनात शशि प्रभा के शैक्षिक प्रमाण पत्र जांच के लिए सत्यापन को भेजे गए थे। इन सभी के शैक्षिक प्रमाण पत्रों पर संदेह का कारण यह रहा कि उक्त पांचों ने हाईस्कूल से लेकर इंटरमीडिएट एवं स्नातक स्तर के शैक्षिक प्रमाण पत्र एक ही संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के लगाए थे। इसमें किरण ने 2010 में संपूर्णानंद विश्व विद्यालय वाराणसी की उत्तर मध्यमा एवं शास्त्री की डिग्री के आधार पर नौकरी प्राप्त की है। शशि प्रभा ने पूर्वमाध्यमा, उत्तर माध्यमा शास्त्री विषय से सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी की डिग्री के आधार पर 21 दिसंबर 2005 को नियुक्ति पाई थी। जवाब नहीं मिला, तो उनकी नियुक्ति रद्द कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

औद्योगिक कॉरिडोर : हजारों युवाओं को मिलेगी रोजी रोटी लगेगे सैकड़ों उद्योग

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। औद्योगिक कॉरिडोर बसाने का रास्ता साफ हो गया है। यह कॉरिडोर जनपद के हजारों युवाओं के लिए नौकरी लाएगा। सैकड़ों उद्योग लगेगे, जो बरेली की आर्थिक रफ्तार को बढ़ाएंगे और प्रदेश की वन ट्रिलियन अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे। औद्योगिक कॉरिडोर बसाने के लिए 10 गांवों की भूमि का चयन कर डीएम अविनाश सिंह ने प्रस्ताव यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को भेज दिया है। भूमि अर्जन में करीब 1400 करोड़ का खर्च आएगा। औद्योगिक कॉरिडोर बसाए जाने से बरेली के साथ बदायूं के युवाओं और उद्यमियों को भी फायदा मिलेगा। डीएम अविनाश सिंह के अनुसार उग्र एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) लखनऊ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने 9 जनवरी को औद्योगिक कॉरिडोर के संबंध में पत्र भेजा। जिसमें बताया कि उत्तर प्रदेश में औद्योगिक कॉरिडोर विकसित कराए जाने की दृष्टि से शासन के निर्देश पर बरेली में भी औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करना प्रस्तावित है। भूमि चयन के लिए सभी एसडीएम को पत्र लिखा, इस पर एसडीएम आंवाला विदुषी सिंह ने औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करने के लिए 10 ग्रामों की 1004.985 हेक्टेयर भूमि चिह्नित कर उपलब्ध कराई। चिह्नित भूमि का ऋय, अर्जन व पुनर्ग्रहण कर सकते हैं। भूमि पर जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था है।

प्रधान और पूर्व प्रधान गुटों में चले लाठी-डंडे , 12 से ज्यादा घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली में पंचायत चुनाव को लेकर खूनी संघर्ष की घटना सामने आई है। नवाबगंज में ग्राम प्रधान और पूर्व प्रधान के समर्थकों के बीच भयंकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं। एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनाक्रम नवाबगंज तहसील के जरेली गांव का है। बताते हैं कि यहां मौजूदा ग्राम प्रधान और पूर्व प्रधान के समर्थकों के बीच भयंकर बखेड़ा हो गया। हालांकि दोनों पक्षों के बीच पुरानी चुनावी रंजिश को लेकर ताजा घटनाक्रम हुआ है। लेकिन इसे पंचायत चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। किसी बात को लेकर दोनों पक्ष भिड़ गए। लाठी-डंडे चलने लगे और पथराव होने लगा। काफी देर तक गांव में दहशत का आलम बना रहा। मारपीट में एक दर्जन से ज्यादा लोगों के घायल होने की सूचना है। इसमें एक ही हालत गंभीर बनी है। सूचना पर पुलिस पहुंची, तो हालात काबू हुए।

बैंक मिनी ब्रांच संचालक की लोहे की राँड से हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बहेड़ी। मिनी बैंक संचालक की हमलावर युवकों ने लोहे की राँड मारकर संरक्षक हत्या कर दी। जान बचाने को वह बाइक से भागा लेकिन हत्यारों ने उसके सिर में लोहे की राँड से सिर में हमला कर दिया जिससे घायल संचालक ने दम तोड़ दिया। शीशगढ़ थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर निवासी सतेंद्र पुत्र इंद्रजीत यहां एसबीआई की मिनी ब्रांच और सीएचसी सेंटर चलाता है। गुरुवार की रात मिनी ब्रांच बंद करके मोहम्मदपुर चौराहा बाईपास पर शराब भट्टी के पास स्थित चौधरी होटल पर पहुंचकर खाना खा रहा था। वहां अंकित पुत्र मिश्री लाल निवासी मोहम्मदपुर गौटिया दो साथियों के साथ वहां पहुंच गया और वह लोग सतेंद्र से किसी बात को लेकर गाली गलौच करने लगे जब सतेंद्र ने इसका विरोध किया तो उक्त तीनों सतेंद्र पर हमलावर होकर उसे पीटने लगे। हमले से घबराए सतेंद्र बाइक से भागा तो हमलावरों ने उसका पीछा करने लगे और उसे रोडवेज के पास घेर लिया उन्होंने सतेंद्र के सिर में लोहे की राँड से हमला कर दिया। सिर में राँड लगने से सतेंद्र बाइक सहित वहीं गिर गया। हमले से वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। सतेंद्र को घायलवस्था में वहां पहुंचा एक प्राइवेट एम्बुलेंस वाला बरेली के एक प्राइवेट अस्पताल ले गया। पुलिस ने इस मामले में सतेंद्र के भाई सुरेंद्र की तरफ से अंकित और उसके दो साथियों के खिलाफ जानलेवा हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कर ली। देर रात उपचार के दौरान घायल सतेंद्र ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद मुकदमे को हत्या में परिवर्तित कर लिया। इस्पेक्टर दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। हमला करने का रात ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया था जिसे हत्या में तरमीम किया जा रहा है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
 knslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

साइबर जांच के नाम पर केवल
संदिग्ध राशि ही होगी होल्ड, बाकी
पैसों का कर सकेंगे इस्तेमाल

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साइबर अपराधों की जांच के दौरान बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया पर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि अब पुलिस या कोई भी जांच एजेंसी संदिग्ध लेनदेन के आधार पर किसी व्यक्ति का पूरा बैंक खाता फ्रीज नहीं करा सकेगी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साइबर अपराधों की जांच के दौरान बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया पर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि अब पुलिस या कोई भी जांच एजेंसी संदिग्ध लेनदेन के आधार पर किसी व्यक्ति का पूरा बैंक खाता फ्रीज नहीं करा सकेगी। जांच के दौरान केवल उसी विशिष्ट राशि पर लियन (रोक) लगाई जाएगी, जिसके अपराध से जुड़े होने का पुख्ता संदेह हो। शेष वैध राशि का खाताधारक उपयोग कर सकेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार, न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने कानपुर नगर निवासी आशीष रावत बनाम भारत संघ और अन्य सहित कई समान याचिकाओं पर दिया। याचियों के अधिवक्ताओं शमशुल इस्लाम, आकाश कुमार शर्मा, अश्वनी कुमार ने दलील दी कि बिना सूचना व एफआईआर के उनके पूरे खातों को अनिश्चितकाल के लिए फ्रीज कर दिया है। यह याचियों के आजीविका व वित्तीय अधिकारों का उल्लंघन है। कोर्ट ने पाया कि बीएनएसएस की धारा-106 (कुर्की) के प्रावधानों का अक्सर गलत इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को अपनी ही गाड़ी कमाई का इस्तेमाल करने से वंचित होना पड़ता है। कोर्ट ने आदेश दिया कि संबंधित बैंक इस फैसले की प्रति प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर उन सभी खातों के परिचालन को बहाल करेंगे, जो इन याचिकाओं का विषय है। बैंक केवल उसी राशि को फ्रीज रखेंगे, जिसका विवरण जांच अधिकारी ने लिखित में दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस जब भी धारा-106 के तहत किसी बैंक को निर्देश जारी करेगी तो उसे स्पष्ट रूप से उस संदिग्ध राशि का उल्लेख करना होगा, जो किसी अपराध से जुड़ी है। साथ ही खाता फ्रीज करने पर खाताधारक को इसकी सूचना दी जाएगी। साथ ही खाताधारक फ्रीज किए जाने को संबंधित अधिकार क्षेत्र वाले मजिस्ट्रेट के समक्ष डीफ्रीज करने की गुहार लगा सकेगा। इसी के साथ कोर्ट ने कई याचिकाओं को इन निर्देशों के साथ स्वीकार कर लिया है।

पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार
के इनामिया बदमाश को
किया गिरफ्तार, पैर में गोली
लगने से घायल; साथी फरार

लखनऊ में पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामिया बदमाश को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से यह घायल हो गया। हालांकि इसका साथी भाग निकला। राजधानी लखनऊ में बृहस्पतिवार देर रात पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामिया गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। यह दाएं पैर में गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद इसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, उसका साथी मौके से फरार हो गया। आगे की कार्रवाई की जा रही है। मुठभेड़ कृष्णानगर थाना क्षेत्र में डूडा कॉलोनी स्थित आशा राम बापू आश्रम के पास हुई। डीसीपी दक्षिणी अमित कुमार आनंद ने बताया कि फरवरी में कृष्णानगर में तीन घरों में चोरी की वारदात हुई थी। पीड़ित की तहरीर पर केस दर्ज करके पुलिस की चार टीमों गठित की गई थीं। घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने करीब 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य खंगाले। इसके जरिये चोरी के एक आरोपी शुभम सोनी को गिरफ्तार किया। जबकि, इसके दो साथी उत्राव के मौरावां के तेहरा रंजीत खेड़ा निवासी विपिन और चिनहट के मन्हौर का रहने वाला कुलदीप फरार चल रहा था। दोनों की तलाश में दबिश दी जा रही थी। इनपर 25-25 हजार का इनाम घोषित था। दोनों आरोपियों पर 20 केस हैं दर्ज- डीसीपी ने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब 1-30 बजे आसाराम बापू आश्रम के पास पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी उन्हें बाइक से विपिन और कुलदीप आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इसके कब्जे से ये हुआ बरामद- पुलिस की जवाबी कार्रवाई में विपिन के दाएं पैर में गोली लग गई। जबकि, अंधेरे का फायदा उठाते हुए कुलदीप भाग निकला। विपिन को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार बदमाश के पास से तमंचा, दो कारतूस, एक खोखा, पीजीआई में लूटी गई दो चैन, तीन अंगूठियां और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद हुई है। विपिन और कुलदीप पर शहर के अधिकांश थानों में 25 मुकदमे दर्ज हैं।

बंगाल के लिए BJP का घोषणापत्र: अमित शाह बोले- 45 दिन
के अंदर 7वां वेतन आयोग लागू करेंगे; UCC भी लागू होगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल में आज भाजपा के घोषणापत्र का विमोचन कर रहे हैं, जिसमें महिलाओं, किसानों और युवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शाह ने टीएमसी के शासन से त्रस्त राज्य में परिवर्तन का वादा किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुरुवार को पश्चिम बंगाल के दौरे में हैं। इस दौरान वह विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी कर रहे हैं। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए इसे भरोसे का पत्र बताया। पार्टी ने इसे 'सोनार बांग्ला' का रोडमैप बताते हुए विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा कि भाजपा बंगाल के ही बेटा को मुख्यमंत्री बनाएगी। अमित यह संकल्प पत्र राज्य के हर वर्ग की उम्मीदों को ध्यान में रखते निकलने का रास्ता दिखाएगा। अमित शाह के अनुसार, इस योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आ रही जबकि युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास पहचान और गौरव को पुनर्स्थापित करने की बात भी इसमें के लिए बड़ा एलान- इसके अलावा अमित शाह ने सरकारी सरकारी कर्मचारियों और वेतनभोगियों के लिए डीए सुनिश्चित और आयुष्मान भारत समेत भारत सरकार की सभी योजनाओं करेंगे। महिलाओं के लिए एलान करते हुए कहा कि हमारी 5 तारीख तक खाते में 3 हजार रुपए ट्रांसफर करेगी। नौकरियों में 33व आरक्षण, मुफ्त बस यात्रा और 'लखपति दीदी' योजना पर जोर - महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए राज्य में पुलिस बल सहित सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया है। इसके साथ ही 75 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मंडल में महिला थाने और महिला डेस्क स्थापित करने की योजना है, ताकि महिलाओं को बेहतर और त्वरित सहायता मिल सके। यह भी कहा गया है कि ऐसा माहौल तैयार किया जाएगा, जहां महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल न उठे और उन्हें किसी भी समय बाहर निकलने में असुरक्षा महसूस न हो। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट देने की योजना है। वहीं, राज्य संचालित बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा लागू करने का भी वादा किया गया है। पीएम किसान सम्मान निधि में हम राज्य की तरफ से अतिरिक्त 3,000 रुपये जोड़ेंगे और किसानों को सालाना 9,000 रुपये की वित्तीय सहायता देंगे। भाजपा के घोषणापत्र की 10 बड़ी बातें सरकार बनने के 6 महीने के अंदर बंगाल में यूसीसी लागू करने का वादा। राज्य की महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3000 देने का एलान। मवेशी तस्करी पर सख्त रोक लगाने का वादा। बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए बंदे मातरम म्यूजियम बनाने की घोषणा। राज्य सरकार की सभी नौकरियों (पुलिस सहित) में महिलाओं को 33% आरक्षण देने का वादा। सरकार बनने के 45 दिन के भीतर सरकारी कर्मचारियों के लिए 7वां वेतन आयोग लागू का एलान। उत्तर बंगाल में AIIMS, IIT, IIM और फैशन डिजाइन संस्थान स्थापित का वादा। पीएम किसान से इतर राज्य सरकार की ओर से 3,000 अतिरिक्त मदद देने का वादा। राज्य में विकास को बढ़ावा देने के लिए चार नए टाउनशिप विकसित करने की घोषणा। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को आयुष्मान भारत से जोड़ने का वादा। घोषणापत्र में वादों की बौछार राज्य के विकास को गति देने के लिए व्यापक योजनाओं का खाका पेश किया गया है। इसके तहत कोलकाता मेट्रो का पूरी तरह विद्युतीकरण करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे यातायात व्यवस्था को आधुनिक और सुगम बनाया जा सके। रेलवे परियोजनाओं को तेजी देने के लिए एक साल के भीतर 61 प्रोजेक्ट्स के लिए भूमि उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है, ताकि ये परियोजनाएं विकास की मुख्य धुरी बन सकें। इसके साथ ही, सरकारी जमीनों से अवैध कब्जों को 200 दिनों के भीतर हटाने का लक्ष्य तय किया गया है। नदी-नालों में पेट्रोलिंग की एक नई आधुनिक तकनीक से युक्त वैज्ञानिक व्यवस्था करेंगे। युवाओं को हर महीने मिलेगा 3,000 रुपये का भत्ता- अमित शाह ने कहा कि हाल ही में स्नातक पूरा करने वाले युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये का भत्ता देने का वादा किया गया है, ताकि वे अपने करियर की शुरुआत में आर्थिक सहयोग प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को 15,000 रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता देने की योजना भी शामिल है, जिससे उनकी पढ़ाई और तैयारी में मदद मिल सके। इसके अलावा पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार के कारण जिन युवाओं ने आयु सीमा पार कर ली है, उन्हें विशेष राहत देने का प्रस्ताव रखा गया है। ऐसे उम्मीदवारों को अधिकतम पांच साल तक की आयु सीमा में छूट दी जाएगी, ताकि वे दोबारा अवसर पा सकें। 2015 के बाद से जिन युवाओं को सरकारी नौकरियों में अवसर नहीं मिल पाए हैं, उनके लिए भी पर्याप्त भर्ती अवसर सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया है। मुख्यमंत्री के नाम पर क्या बोले गृह मंत्री?- शाह ने पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चली आ रही अटकलों पर भी विराम लगाया कि मुख्यमंत्री कौन होगा। उन्होंने कहा, हम कोई वंशवादी पार्टी नहीं हैं जहां चाची के बाद भतीजा पद संभालेगा। मैं बंगाल के लोगों को आश्वासित कर सकता हूँ कि हमारे मुख्यमंत्री एक बंगाली होगा। जनसभा और रोड शो भी करेंगे शाह- गृह मंत्री अमित शाह ने शुरुवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया टीएमसी से त्रस्त बंगाल अब परिवर्तन चाहता है। शुरुवार को कोलकाता में टीएमसी के भय राज से बंगाल को मुक्त करने के आधार भाजपा के संकल्प पत्र का विमोचन करूंगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वे शुरुवार को पश्चिम मेदिनीपुर के डेबरा में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा, खड़गपुर में रोड-शो के माध्यम से जनता से जुड़ेंगे। उन्होंने पोस्ट में लिखा प्रदेश के बहनों-भाइयों के बीच रहने के लिए उत्सुक हूँ।



सेंट्रल मार्केट: भ्रष्टाचार की नींव पर अवैध निर्माण, चौपट
हुआ कारोबार, व्यापारी बोले-अधिकारी हैं असली गुनहगार

मेरठ के शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट में सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद व्यापारियों में भारी रोष है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि अवैध निर्माण वर्षों तक अधिकारियों की मिलीभगत से हुआ और अब दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। मेरठ के शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट में सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई ने हजारों व्यापारियों के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है। सुप्रीम उन अधिकारियों पर निर्माण होता रहा। में ही ईमानदार रहते मुख्यमंत्री योगी उजाड़ा गया है उसी बुलडोजर चलना अधिकारियों की होगी तब तक न्याय मेरठ के अधिशासी धारा 218 और 217 सुप्रीम कोर्ट के 17 बने व्यावसायिक ससाह के भीतर ध्वस्त आवासीय भूमि पर प्रतिष्ठान थे। आवास को ध्वस्त कर दिया 44 प्रतिष्ठानों को सील भी सील कर दिया दिया गया। आहत व्यापारी अवैध निर्माण के दौरान आंख मूंदकर बैठे अधिकारियों पर भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। क्यो नही भेजा गया जेल संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि आवास विकास के 42 अधिकारी और कर्मचारियों को तुरंत जेल भेजा जाना चाहिए। दो लोगों के हाथ मिले और सेंट्रल मार्केट खड़ा हो गया। जब सेंट्रल मार्केट को सील कर रहे हैं तो आवास विकास के अधिकारियों को अभी तक जेल क्यों नहीं भेजा गया है। सुप्रीम कोर्ट के सामने व्यापारियों का मजबूत पक्ष नहीं रखा गया। जब निर्माण हुआ तब सरकार किसकी थी यह आप सब जानते हैं। समाधान होना चाहिए राजनीति नहीं। गोपाल अग्रवाल ने कहा कि यह बंद चेनना और दुख का बंद है। 25 साल से व्यापारी की कॉमर्शियल रजिस्ट्री है, जीएसटी नंबर है, बिजली का बिल कॉमर्शियल है। व्यापारियों ने कोई कब्जा नहीं किया। जमीन भी व्यापारियों की ही है बस भू-उपयोग परिवर्तन हुआ है। बीते वर्षों में पांच मिनट में मामले सुलझ गए लेकिन अब इच्छा शक्ति की कमी है। व्यापारी नहीं, अधिकारी हैं असली गुनहगार- संयुक्त व्यापार संघ के मंत्री अंकित गुप्ता ने कहा कि पहले व्यापारियों को बचाने का उद्देश्य था। अब जब व्यापार उजड़ चुका है तो दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दोषी अधिकारियों की संपत्ति की जांच कराने के साथ ही उनके घर पर भी बुलडोजर चलाने की मांग की। इन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज हुई थी प्राथमिकी- एसपीएन सिंह (अधीक्षण अभियंता), जीएस पालीवाल (से.नि. अधीक्षण अभियंता), जमना प्रसाद (से.नि. अधिशासी अभियंता), एके जैन (अधिशासी अभियंता), आरके गुप्ता (अधिशासी अभियंता), नरसिंह प्रसाद (अधीक्षण अभियंता), एके बंसल (से.नि. अधीक्षण अभियंता), सीके जैन (अधीक्षण अभियंता), अरविंद कुमार (अधीक्षण अभियंता), हरेंद्र सिंह नरेश (से.नि. अधीक्षण अभियंता), राम सहाय सिंह (अधीक्षण अभियंता), ज्ञानेंद्र सिंह (अधीक्षण अभियंता), देवेन्द्र सिंह (सहायक अभियंता), रविंद्र कुमार (अवर अभियंता), योगेंद्र कुमार वर्मा (अवर अभियंता), उमेश मोहन शर्मा (सहायक अभियंता), पंकु गौतम (सहायक अभियंता), डीके गोयल (सहायक अभियंता), वीरेंद्र कुमार (अवर अभियंता) शशि भूषण (सहायक अभियंता) कमल सिंह (अवर अभियंता), संजीव शुक्ला (अवर अभियंता), एनके शर्मा (सहायक अभियंता), सुखबीर सिंह (अवर अभियंता), सोहनपाल (से.नि. सहायक अभियंता), शांति प्रसाद (से.नि. सहायक अभियंता), आरपी सिंह (से.नि. सहायक अभियंता), जगदीश कुमार अरोरा (अवर अभियंता), रतनवीर सिंह (अवर अभियंता), सुरेंद्र कुमार वडेरा (से.नि. सहायक अभियंता), देवराज वर्मा (से.नि. सहायक अभियंता), बसंत लाल मैनी (से.नि. अवर अभियंता), एके भटनागर (से.नि. अवर अभियंता), ओमपाल सिंह (अवर अभियंता), राम किशन शर्मा (अवर अभियंता), चंद्रभान कश्यप (से.नि. अधिशासी अभियंता), रियाजुद्दीन (अवर अभियंता), आरए वर्मा (अधिशासी अभियंता), जीत सिंह (अवर अभियंता), रविकांत (सहायक अभियंता), श्रीधर भांडेगावकर (से.नि. सहायक अभियंता), आरके सक्सेना (सहायक अभियंता), भोलानाथ (अधिशासी अभियंता), चंद्रपाल (अवर अभियंता), मनोहर कुमार (से.नि. अधिशासी अभियंता) के नाम शामिल हैं। (इनमें से चार अधिकारियों की मृत्यु हो चुकी है) इन धाराओं में दर्ज है प्राथमिकी को सजा से बचाने के लिए सरकारी निर्देश का उल्लंघन करना (2 साल तक की सजा)। धारा 218- आरोपी या संपत्ति को बचाने के लिए गलत सरकारी दस्तावेज तैयार करना (3 साल तक की जेल)। इस मामले में दर्ज की गई प्राथमिकी की विवेचना जारी है। प्राथमिकी में सात साल से कम सजा की धाराएं लगी थीं। इसके चलते इनमें गिरफ्तारी नहीं की सकती। विवेचना में जो भी दोषी पाए जाएंगे। उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। - आयुष विक्रम सिंह, एसपी सिटीचौपट हो गया हजारों परिवारों का कारोबार- राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सुदीप जैन ने जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि जनप्रतिनिधियों ने सरकार तक व्यापारियों की बात क्यों नहीं पहुंचाई। जैन ने आवास विकास के अधिकारियों पर तुरंत कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण से हजारों परिवारों का कारोबार चौपट हो गया। प्राथमिकी दर्ज हुई तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई- हैडलूम व्यापार संघ के अध्यक्ष अंकुर गोयल ने कहा कि व्यापारी दोषी नहीं हैं। अधिकारियों को शुरुआत में भी कार्रवाई करनी चाहिए थी। व्यापारियों को हर स्तर पर प्रताड़ित किया गया है। सेंट्रल मार्केट पूरी तरह खत्म हो गया है। उन्होंने पुलिस पर भी सवाल उठाए कि प्राथमिकी दर्ज हुई तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई।



कोर्ट के कड़े आदेशों के बाद अब व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा है जिनकी नाक के नीचे वर्षों तक यह अवैध आहत व्यापारियों का कहना है कि यदि अधिकारी शुरुआत तो आज सैकड़ों व्यापारी सड़क पर न आते। व्यापारियों ने आदित्यनाथ से मांग की है कि जिस तरह उनका रोजगार तरह भ्रष्टाचार में डूबे इन अधिकारियों के घरों पर भी चाहिए। व्यापारियों का कहना है कि जब तक इन भ्रष्ट संपत्तियों की कुर्की और जेल भेजने की कार्रवाई नहीं अधूरा है। 16 अक्टूबर 2025 को आवास विकास परिषद अभियंता आफताब अहमद की तहरीर पर आईपीसी की के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। यह कार्रवाई दिसंबर 2024 को आवासीय भूखंड संख्या 661/6 पर कॉम्प्लेक्स को तीन महीने में खाली कराने और उसके दो करने के आदेश के बाद की गई थी। यह कॉम्प्लेक्स अवैध रूप से बनाया गया था। इसमें 22 व्यापारियों के विकास के अधिकारियों ने अक्टूबर 2025 में कॉम्प्लेक्स था। इसके बाद सेंट्रल मार्केट के आवासीय भूखंड पर बने करने का आदेश दिया गया। बुधवार को इन भवनों को गया। अब 859 अवैध निर्माण ध्वस्त करने का आदेश

दैनिक अखबार क्यूं न लिखूं सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knslive@gmail.com

If you make paneer fried rice this way, your family will be licking their fingers; they won't be stingy with praise.

When it comes to 'paneer fried rice,' the very mention of it is sure to make your mouth water. Do you also love Chinese food from outside? Whether it's a weekend or a special occasion, eating fried rice is simply delightful, but we often wonder how to bring that restaurant or street-market flavor to your home. Today, we bring you a simple recipe that's incredibly easy to make at home. When you make everyone, be it kids or adults, will love it. **Ingredients for making paneer fried rice:** Cooked rice: 2 cups (Basmati rice will make 200 grams (chopped into small pieces) Vegetables: 1 cup (finely chopped carrots, (finely chopped) Ginger and 2 (finely chopped) Soy sauce: 1 1/2 teaspoon Salt: to taste Oil: 2 for making paneer fried rice: Heat pieces and fry them until they and won't break while mixing it place it on a plate. Now, add 2 is always cooked on high heat, so chopped garlic, ginger, and green aroma. Next, add the chopped is fried, add all the chopped the vegetables over high heat for don't want to completely mushy in fried rice. Once the vegetables sauce, vinegar, black pepper powder, and salt. Mix everything together thoroughly. Note that soy sauce also contains salt, so be careful with the salt. Now add the pre-cooked, cooled rice and fried paneer to the pan. Mix everything together gently to avoid breaking the rice grains. Cook over high heat for 2 minutes, tossing frequently, so the sauce soaks into the rice. Your hot, fluffy, and delicious paneer fried rice is ready. Turn off the heat and top with finely chopped green onions. You can enjoy it as is or serve it with your favorite Manchurian gravy or chili paneer.



paneer fried rice with this recipe, believe me, be licking their fingers and praising you profusely. **Ingredients:** Cooked rice: 2 cups (Basmati rice will make 200 grams (chopped into small pieces) Vegetables: 1 cup (finely chopped carrots, (finely chopped) Ginger and 2 (finely chopped) Soy sauce: 1 1/2 teaspoon Salt: to taste Oil: 2 for making paneer fried rice: Heat pieces and fry them until they and won't break while mixing it place it on a plate. Now, add 2 is always cooked on high heat, so chopped garlic, ginger, and green aroma. Next, add the chopped is fried, add all the chopped the vegetables over high heat for don't want to completely mushy in fried rice. Once the vegetables sauce, vinegar, black pepper powder, and salt. Mix everything together thoroughly. Note that soy sauce also contains salt, so be careful with the salt. Now add the pre-cooked, cooled rice and fried paneer to the pan. Mix everything together gently to avoid breaking the rice grains. Cook over high heat for 2 minutes, tossing frequently, so the sauce soaks into the rice. Your hot, fluffy, and delicious paneer fried rice is ready. Turn off the heat and top with finely chopped green onions. You can enjoy it as is or serve it with your favorite Manchurian gravy or chili paneer.

Which test at what age? A doctor's complete health checkup guide for those 20-40

Dr. R.S. Mishra highlights essential health checkups based on age. Tests like blood pressure, BMI, glucose, lipid profile, thyroid, and cancer screening should be done between the ages of 20 and 40. Regular health checkups and blood pressure, and glucose checkups are bustle of household and office duties, people serious symptoms as common problems, which checkups are crucial to staying healthy and Mishra (Principal Director and HOD of Saket) about some of the tests that should be Says Doctors say that regular health checkups maintaining long-term health. Early detection before symptoms appear. Therefore, it is at the age of 20, 30, and 40. Essential tests in for health. Therefore, annual checkups at the index (BMI), complete blood count, fasting check lifestyle factors such as smoking, alcohol, test from the age of 21 to screen for cervical Therefore, be sure to get the HPV vaccine, influenza vaccine. Important tests for the age the risk of diabetes, high blood pressure, and cholesterol-related problems increases significantly. Therefore, testing becomes even more important during this time, especially if you have a family history of these problems. Thyroid function tests are especially important for women. Emphasis should be placed on mental health, sleep quality, and weight management. Cervical cancer screening and breast cancer awareness are also essential at this age. Vaccinations should include annual influenza, a Tdap booster every 10 years, and hepatitis B vaccination, if not already vaccinated. Get these tests at age 40: By the age of 40, the risk of long-term illnesses increases significantly. Annual checkups should include blood sugar (fasting and HbA1c), lipid profile, liver and kidney function tests, and an ECG. Colorectal cancer screening may be recommended based on individual risk. Women should have regular mammograms, and men can discuss prostate screening with their doctor. Eye and dental checkups are also important. Vaccinations include annual influenza vaccinations, shingles (herpes zoster) vaccinations after 40-50 years of age, as per guidelines, and pneumococcal vaccinations (pneumonia) for high-risk individuals. Why are regular checkups important? Doctors say that regular health checkups and timely vaccinations for adults help prevent many serious health problems. A proactive and informed approach can significantly reduce the burden of disease and promote a healthy, long life.



20 से 40 की उम्र तक रहें फिट

vaccinations protect against serious illnesses. BMI, essential in your 20s. Due to the daily hustle and often neglect their health. They often dismiss can prove detrimental later. Therefore, timely preventing serious illnesses. In this context, Dr. R.S. Internal Medicine at Max Smart Superspeciality, done at the age of 20, 30, and 40. What the Doctor and proper vaccinations play a vital role in can prevent many serious diseases or detect them extremely important to get the necessary tests done the 20s - This is considered the most important time age of 20 should include blood pressure, body mass glucose, and lipid profile. It is also important to and stress. Women should undergo a Pap smear cancer. Adult vaccinations are equally important. Tdap (tetanus, diphtheria, pertussis), and annual of 30: By this age, metabolic risks increase, and the risk of diabetes, high blood pressure, and cholesterol-related problems increases significantly. Therefore, testing becomes even more important during this time, especially if you have a family history of these problems. Thyroid function tests are especially important for women. Emphasis should be placed on mental health, sleep quality, and weight management. Cervical cancer screening and breast cancer awareness are also essential at this age. Vaccinations should include annual influenza, a Tdap booster every 10 years, and hepatitis B vaccination, if not already vaccinated. Get these tests at age 40: By the age of 40, the risk of long-term illnesses increases significantly. Annual checkups should include blood sugar (fasting and HbA1c), lipid profile, liver and kidney function tests, and an ECG. Colorectal cancer screening may be recommended based on individual risk. Women should have regular mammograms, and men can discuss prostate screening with their doctor. Eye and dental checkups are also important. Vaccinations include annual influenza vaccinations, shingles (herpes zoster) vaccinations after 40-50 years of age, as per guidelines, and pneumococcal vaccinations (pneumonia) for high-risk individuals. Why are regular checkups important? Doctors say that regular health checkups and timely vaccinations for adults help prevent many serious health problems. A proactive and informed approach can significantly reduce the burden of disease and promote a healthy, long life.

Five white things in the kitchen are enemies of the heart, a doctor advises throwing them out immediately.

Delhi cardiologist Dr. Alok Chopra recommends eliminating five white things from the kitchen to avoid heart disease. He stated that white sugar, refined flour, salt, refined oil, and polished rice are harmful to the heart. Dr. Chopra emphasized foods so that both young and old can maintain a are harmful to the heart. Ditch white sugar, refined healthy by adopting healthy alternatives. The these days. This disease, which usually occurs in old is important to take special care of your heart to stay recently shared important information in a post about certain habits can improve heart health. Unhealthy explaining that there are some white foods in our the caption, "Your body needs clean, nutritious food, avoiding the following foods: White Sugar: White source of empty calories. The doctor explained that entirely beneficial for our health. It increases insulin some healthy options: Jaggery, raw honey, dates, explained that refined white flour, or maida, is used in many recipes. However, it lacks the fiber of whole wheat and has no nutritional value. Maida has a similar effect on the body as sugar. White Salt: Salt is among the most commonly used white foods in our kitchens. It's the most widely used salt worldwide, but it's not a healthy choice. Doctors say that minerals are removed from white salt and chemicals are added that are harmful to health. However, eliminating it completely from your diet can also be harmful. Therefore, consume it in limited quantities. Rock salt Himalayan pink salt Naturally sun-dried sea salt White refined oil White refined oils are chemically extracted and can cause excessive inflammation. Therefore, doctors recommend eliminating them from your diet immediately to improve your health. Cold-pressed mustard oil Peanut oil Coconut oil Ghee Extra virgin olive oil Polished white rice The eye-catching dazzle can often be deceptive, and white polished rice falls into this category. Dr. Chopra explains that it has a high glycemic index and very low nutritional value. You can try other healthy alternatives instead: Hand-pounded rice Brown rice Red rice Black rice Millet

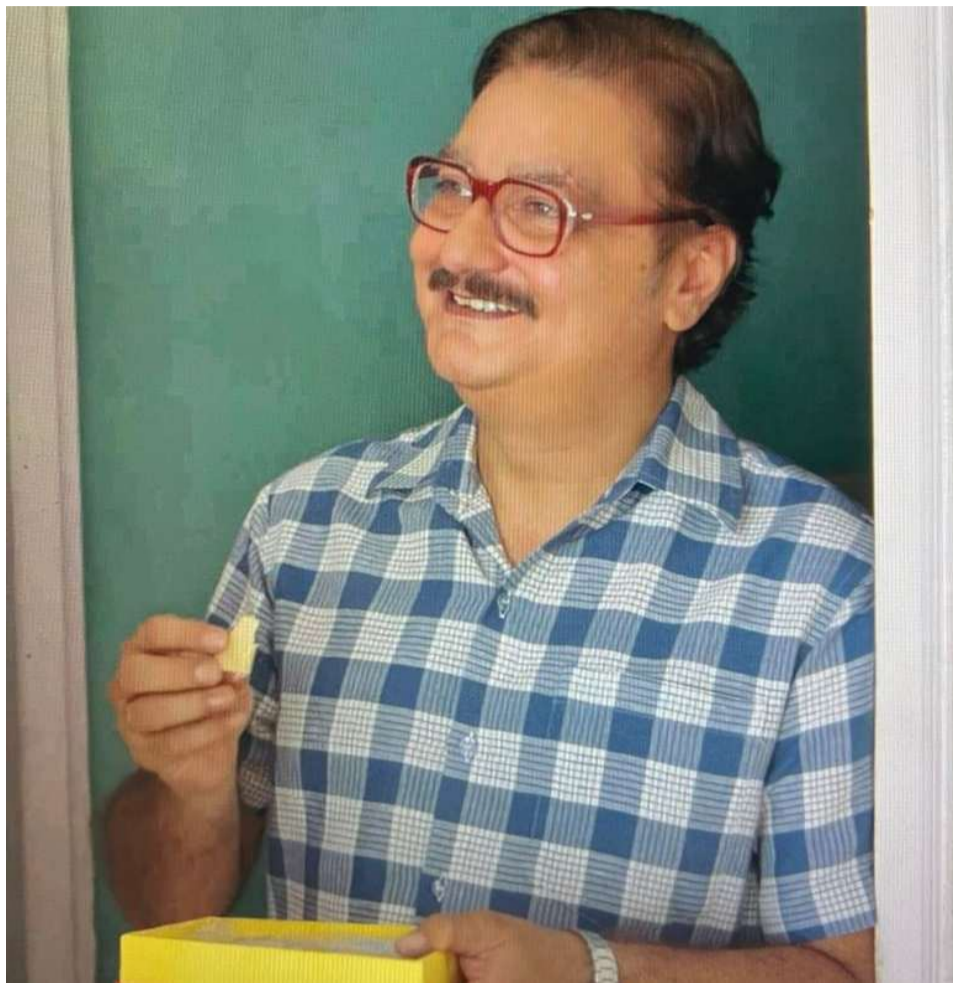


हार्ट के लिए जहर हैं ये 5 सफेद चीजें

the importance of adopting healthy alternatives to these healthy heart. The doctor listed five white things that flour, salt, refined oil, and polished rice. Keep your heart incidence of heart-related diseases is increasing rapidly age, is now affecting young people as well. Therefore, it healthy. To this end, Delhi cardiologist Dr. Alok Chopra maintaining a healthy heart. He explained how adopting Foods in the Kitchen The doctor shared his post, kitchens that are actually harmful to health. He wrote in because you become what you eat." He also advised sugar is made from sucrose and is the most common it's found in almost every kitchen, but it's actually not levels and contributes to intestinal imbalances. Here are coconut sugar, and white flour (maida). The doctor explained that refined white flour, or maida, is used in many recipes. However, it lacks the fiber of whole wheat and has no nutritional value. Maida has a similar effect on the body as sugar. White Salt: Salt is among the most commonly used white foods in our kitchens. It's the most widely used salt worldwide, but it's not a healthy choice. Doctors say that minerals are removed from white salt and chemicals are added that are harmful to health. However, eliminating it completely from your diet can also be harmful. Therefore, consume it in limited quantities. Rock salt Himalayan pink salt Naturally sun-dried sea salt White refined oil White refined oils are chemically extracted and can cause excessive inflammation. Therefore, doctors recommend eliminating them from your diet immediately to improve your health. Cold-pressed mustard oil Peanut oil Coconut oil Ghee Extra virgin olive oil Polished white rice The eye-catching dazzle can often be deceptive, and white polished rice falls into this category. Dr. Chopra explains that it has a high glycemic index and very low nutritional value. You can try other healthy alternatives instead: Hand-pounded rice Brown rice Red rice Black rice Millet

"If I didn't like the role, I would have said 'I love you'..." Vinay Pathak isn't afraid to reject films.

Vinay Pathak, who has worked in films like "Bheja Fry" and "Khosla Ka Ghosla," has talked about his career. He has returned to OTT as Sohrab Handa. Vinay Pathak shared his unique approach to role selection. He's not afraid of the box office when "Everybody Loves Sohrab Handa." Vinay Pathak, who is working lead role in the film "Everybody Loves Sohrab Handa," released Dainik Jagran, Vinay Pathak explained his working style. In the more difficult than saying yes. Saying no to a producer or director if Vinay Pathak is fluent in this art. Vinay, who has always avoided character seriously. I take on what I deem worthy." He rejects offers simple, not complicated. Different people may have different give myself too much importance. The person telling the story must want me to be a part of their story. If I'm not excited by the story, I love you,' but let's let it be this time." Vinay chooses roles according to do this." I think more important than typecasting is that every example, when khichdi is made, everyone likes different kinds of asafoetida, in Uttar Pradesh, they add red chilies to mustard oil, and a matter of taste. Vinay, who is working extensively on the digital "Everybody Loves Sohrab Handa," released today on ZEE5. says that the best thing about working on OTT is that there's no fear theaters on Monday. He believed in the story. In this film, Vinay plays taking on this difficult role, Vinay further says that he would like to the characters he (the film's director and writer, Rajat Kapoor) has They seem so lifelike because we see such people around us. Even from each other. If everyone were the same, the rasas wouldn't have beauty, ugliness, anger. Our story lies in these differences. It was dedicate myself to that character. I had to believe in the story. Actors Vinay, talented actors like Rajat Kapoor and Ranvir Shorey are also one not feel insecure about work? On this he further says that as per Mumbai, even marriages do not last for 30 years. I am not talking about any particular person here, I am talking in general. In such a situation, there must be something special in the three of us living together. There is respect and love for both.



working on OTT, crediting the writing in extensively on digital platforms, plays the today on ZEE5. In a conversation with film industry, saying no to a role is even you don't like the story is an art. Actor similar roles, says, "I don't take any with grace: 'I've kept my likes and dislikes perspectives on this. I don't think I should have had a different struggle, and they may have to find the right words to say no. 'I to his taste. "I love you, but I won't be able actor works according to his own taste. For seasoning. Just as in Rajasthan, they add in Maharashtra, curry leaves. Acting is also platform, plays the title role in the film Regarding working on this medium, Vinay that the film might be removed from an angry and irritable man. Regarding give all the credit to the writing, because created aren't based on any one person. within a family, five brothers are different been created. There is no compassion, written so well that as an actor I had to stay away from insecurities - Along with there in the film. In such a situation, does my experience, I can say that in a city like

"Hamza Ali Mazari" roared at the box office, with four films changing their release dates due to Dhurandhar 2.

Ranveer Singh-starrer Dhurandhar 2 created box office history by grossing over ₹16 billion (approximately \$1.6 billion). Its immense success transformed Hindi cinema's release strategy and industry practices. Dhurandhar 2's postponed their releases due to cinema. Dhurandhar: The Revenge a sensation at the box office, grossing not limited to earnings. This film digital narrative. The Game of Release by Aditya Dhar, Dhurandhar: The dominance, which directly impacted the December and the strong buzz releases to avoid a clash. Toxic also of KGF. His film Toxic: A Fairy Tale for 19th, but was postponed to June. While the trade that Dhurandhar would be between Toxic and Dhurandhar, had Toxic assumes that the audience is Sesh-starrer Dacoit: Ek Prem Katha was also moved from March 19th to April 10th. Adivi himself said, "We needed better showcasing, so we changed the date." This meant more screens. He described Dhurandhar as similar to the IPL, clearly indicating that the film would have a long theatrical run. He said that those who couldn't get tickets for Dhurandhar would see his film. This impact wasn't limited to Indian films. The Indian release of Ryan Gosling's Hollywood film, Project Hail Mary, was also pushed from March 20th to March 26th to avoid a direct clash with Dhurandhar. Given Dhurandhar's continued dominance at the box office, the release of Akshay Kumar's film Bhoot Bangla has been postponed by a week. Priyadarshan-directed Bhoot Bangla, originally scheduled for April 10th, will now release on April 17th. Clearly, the makers are not in a risk-taking mood. The "Dhurandhar Effect": Both content and strategy have changed. Dhurandhar also proved that long-form films can still be successful. This nearly three-and-a-half-hour-long film shattered the myth that audiences in the "reel era" lack patience. The film featured neither forced item numbers nor intimate scenes, yet it became a blockbuster. It sent a clear message to the industry that content is the real hero. The film's earnings of ₹43 crore from pre-paid previews also surprised the trade. As a result, it faced no major competition for its first two weeks, allowing it to have a virtually solo run. Viral Clips: A Story of a Shifting Narrative - With the success of Dhurandhar, old videos and interview clips began circulating rapidly on social media. These clips weren't just for entertainment purposes, but also highlighted the industry's changing attitudes. One viral clip claimed that during the promotion of the film Kaabil, Karan Johar allegedly told Hrithik Roshan not to bring Yami Gautam on his show because she wasn't a big star. Similarly, a video from the promotion of the film Uri: The Surgical Strike also went viral, in which reality show judges Karan Johar, Malaika Arora, and Kirron Kher ignored Yami Gautam. This raised questions about the industry's attitude. Impact on Stars and Producers' Decisions - Dhurandhar also impacted the decisions of stars. Ranveer Singh refused to do Farhan Akhtar's film Don 3. He wanted to distance himself from back-to-back gangster films. This led to reports of tensions between him and producer Farhan Akhtar. The producers were reportedly losing around ₹40 crore. Meanwhile, Ram Gopal Varma reportedly shelved Sarkar 4 and decided to focus on his new project, Syndicate. He believes that traditional gangster films have become outdated and irrelevant after the impact of Dhurandhar, which prompted him to turn to his new project. However, Dhurandhar: The Revenge proved that a film isn't just a hit, but also has the potential to change the direction and thinking of an entire industry. The film not only influenced release date strategies but also challenged conventional notions about content. Furthermore, it revived old narratives on the internet, bringing attitudes and dynamics within the industry back into focus.



earnings created a sensation at the box office. Several major films Dhurandhar 2 - the film proved that content is the true hero of (Dhurandhar 2), starring Ranveer Singh and Sara Arjun, created nearly ₹16 billion (approximately \$1.6 billion), but its true story is transformed Hindi cinema's release strategy, industry behavior, and Dates: Everyone Left Behind in Front of Dhurandhar - Directed Revenge's greatest strength was its tremendous box office release dates of other films. Given the success of the first part in surrounding the second part, several major films postponed their backtracked - Kannada superstar Yash was boosted by the success Grown-Ups (Toxic) was originally scheduled to release on March the official reason cited was the US-Israel-Iran war, it was clear in difficult to compete with. Ram Gopal Varma, regarding the clash said that Dhurandhar respects the intelligence of the audience, while unintelligent. Dacoit's release date was changed - Similarly, the Adivi

"It's burnt..." Vishal Bhardwaj's reaction to the reel calling Dhurandhar's viewers Nazis, now being trolled

Famous filmmaker Vishal Bhardwaj has reacted to the controversial Dhurandhar reel, after which he is being heavily trolled. Vishal Bhardwaj's reaction to the reel against Dhurandhar; filmmaker facing severe trolling for propaganda despite Dhurandhar's Dhurandhar: The Revenge made a lot of records. However, Dhurandhar and the film, on the other hand, it is being a controversy has erupted over the audience was called Nazis. Vishal of which went viral on social media, and that compares Dhurandhar's fans and reel. Vishal Bhardwaj's reaction goes the handle "X" with Vishal's like. The user compares Dhurandhar's audience to Dhurandhar." Vishal Bhardwaj is now jealous now?" Another said, "The paid preview collection of Dhurandhar 2." Another said, "They should also like the reel asking why did you watch O Romeo?" This is how people are trolling the filmmaker.



reacting to Dhurandhar's reel; filmmaker facing accusations of success. There's no doubt that Aditya Dhar's Dhurandhar and money at the box office, and the second part is still breaking new Dhurandhar 2 have also faced criticism. While people are praising called propaganda. Several celebrities have criticized the film. Now, reaction of renowned filmmaker Vishal Bhardwaj. Dhurandhar's Bhardwaj recently reacted to a reel against Dhurandhar, a screenshot he is now being severely trolled. A reel is going viral on social media audience to German Nazis. Vishal Bhardwaj reportedly liked this viral: A user shared a screenshot of a reel against Dhurandhar on wrote on "X," "Haider director Vishal Bhardwaj liked a post that German Nazis. Zakir Khan was right—everyone is jealous of being severely trolled on social media. One wrote, "Why are you so funniest thing is that the lifetime collection of O Romeo is equal to the